



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 28, 2000/बैशाख 8, 1922

No. 42]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 28, 2000/VAISAKHA 8, 1922

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

(विधि सेवा विभाग)

अधिसूचना

चेन्नई, 27 अप्रैल, 2000

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक सामान्य विनियम (1999)

वि. से. वि/170/4/2000.—बैंकिंग कम्पनीज़ (प्रतिष्ठानों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इण्डियन ओवरसीज़ बैंक का निदेशक-मंडल भारतीय रिज़र्व बैंक के परामर्श और केन्द्र सरकार की पूर्व-अनुमति से एतद्वारा निम्नांकित विनियमों को बनाता है, यथा :

अध्याय - 1

परिचय

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ :

i) इन विनियमों को इण्डियन ओवरसीज़ बैंक सामान्य विनियम (1999) कहा जाएगा ।

ii) ये विनियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे ।

2. परिभाषाएँ - इन विनियमों में जब तक कि उन के विषय या प्रसंगों या आशय के विरुद्ध कुछ न हो, तब तक

क. 'अधिनियम' का अर्थ है बैंककारी कंपनी (प्रतिष्ठानों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5)

ख. 'बैंक' का अर्थ है अधिनियम की धारा 3 के तहत संघटित इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ;

- ग. 'मंडल' का अर्थ है अधिनियम की धारा 9 के तहत संघटित निदेशक मण्डल ;
- घ. 'अध्यक्ष' का अर्थ है निदेशक मण्डल का अध्यक्ष ;
- ङ. 'समिति' का अर्थ है निदेशक मण्डल द्वारा संघटित कोई समिति ;
- च. 'कार्यपालक निदेशक' का अर्थ है पूर्ण कालीन निदेशक, जो कि प्रबंध निदेशक न हो ;
- छ. 'महा प्रबंधक' का अर्थ है बैंक का महा प्रबंधक ;
- ज. 'प्रबंधन समिति' का अर्थ है इस योजना के खण्ड 13 के तहत संघटित कोई समिति ;
- झ. 'प्रबंध निदेशक' का अर्थ है बैंक का प्रबंध निदेशक ;
- ञ. 'रजिस्टर' का अर्थ है अधिनियम की धारा 3 की उप धारा '2 जी' के तहत बैंक की एक या अनेक बहियों में रखा गया शेयर धारकों का रजिस्टर और इसमें कम्प्यूटर प्रलापियों तथा डिस्कटों में रखा गया शेयर-धारकों का रजिस्टर भी शामिल है :
- ट. 'रजिस्ट्रार' का अर्थ है बैंक द्वारा निम्नांकित कार्यों के लिए नियुक्त व्यक्ति विशेष-
- i). किसी निर्गमन के लिए निवेशकों से आवेदन-पत्रों का संग्रहण ;
 - ii). निवेशकों से प्राप्त आवेदन पत्रों और धन-राशियों का या शेयरों के विक्रेता को किये गए भुगतान का रिकॉर्ड रखना ;
 - iii). बैंक को निम्नांकित विषयों में सहायता देना ;
- क. स्टॉक विनिमय केन्द्र (स्टॉक एक्स्चेंज) के साथ परामर्श करके शेयर आबंटन का आधार निर्धारित करना ;
- ख. शेयरों के आबंटन के लिए पात्र व्यक्तियों की सूची को अंतिम रूप देना ;
- ग. निर्गमन से संबंधित आबंटन-पत्र, वापसी आदेश या प्रमाण पत्र और अन्य संबंधित दस्तावेजों का प्रसंस्करण एवं प्रेषण ; और

iv. बैंक द्वारा समय-समय पर सौंपे जानेवाले कुछ अन्य कार्य ।

ठ. 'योजना' का अर्थ है राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970

ड. 'शेयर' का अर्थ है बैंक की अंश पूँजी में शेयर ;

ढ. 'शेयर अंतरण एजेण्ट' में निम्नलिखित व्यक्ति शामिल हैं :

- i). कोई भी व्यक्ति जो बैंक की ओर से बैंक द्वारा निर्गमित शेयरों के धारकों का रिकॉर्ड रखता है और इनके शेयरों के अंतरण तथा शोधन से संबंधित सभी मामलों की देखभाल करता है, या
 - ii). बैंक का कोई विभाग या प्रभाग (जिस भी नाम से अभिहित हो) जो उप-खण्ड (1) में संदर्भित कार्यों को करे ;
- ण) अध्याय 111 में प्रयुक्त शब्द एवं अभिव्यक्तियाँ जिन्हें इन विनियमों में परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन जो जमाकर्ता अधिनियम 1996 (वर्ष 1996 का अधिनियम 22) में परिभाषित हैं, क्रमशः वही अर्थ रखेंगी जो उक्त अधिनियम में उन्हें दिया गया है ।
- त) अन्य प्रयुक्त अभिव्यक्तियाँ, जिन्हें इन विनियमों में परिभाषित नहीं किया गया है लेकिन जिन का प्रयोग इस अधिनियम या योजना में किया गया है, क्रमशः वही अर्थ रखेंगी जो अर्थ उन्हें इस अधिनियम या योजना में दिया गया है ।

अध्याय- 11

शेयर और शेयर रजिस्टर

3. शेयरों की प्रकृति :

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के शेयर, चल संपत्ति होंगे और इन विनियमों के तहत प्रावधान किए गये अनुसार हस्तांतरणीय होंगे ।

4. शेयर पूँजी के प्रकार :-

1). अधिमानी शेयर पूँजी का अर्थ है इण्डियन ओवरसीज बैंक की शेयर पूँजी का वह अंश जो निम्नलिखित दोनों शर्तों को पूरा करती है -

अ). लाभांश के मामले में, इस में एक निर्धारित रकम या निर्धारित दर पर परिकल्पित रकम के भुगतान का अधिमान्य अधिकार होता है, जो आय-कर से मुक्त हो या उस के अधीन हो सकती है ; और

आ). पूँजी के मामले में, समापन पर पूँजी के चुकतान के लिए, संदत्त या संदत्त मानी गई पूँजी का चुकतान पाने का अधिमान्य अधिकार होता है, चाहे निम्नलिखित राशियों में से किसी एक के या दोनों के भुगतान के लिए अधिमान्य अधिकार हो या न हो, अर्थात् ;

क). समापन या पूँजी के चुकतान की तारीख तक खण्ड (अ) में विनिर्दिष्ट राशियों के मामले में अ-संदत्त रह गई कोई रकम; और

ख). केन्द्र सरकार की पूर्व सहमति से निदेशक मंडल द्वारा विनिर्दिष्ट कोई निर्धारित प्रीमियम या किसी निर्धारित मान पर प्रीमियम ।

ii) 'इक्विटी शेयर पूँजी' का अर्थ है वह सारी शेयर पूँजी, जो कि अधिमानी शेयर पूँजी नहीं हो ।

iii) 'अधिमानी शेयर' और 'इक्विटी शेयर' अभिव्यक्तियों का अर्थ तदनुसार समझा जाएगा ।

5. रजिस्टर में प्रविष्टि हेतु विवरण:

i) अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2 (एफ़) के तहत एक शेयर रजिस्टर रखा, लिखा और अद्यतन किया जाता जाएगा ।

ii) अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2 (एफ़) में विनिर्दिष्ट विवरणों के अतिरिक्त रजिस्टर में निदेशक मंडल के निदेशानुसार कुछ अन्य विवरण भी दर्ज किए जाएँगे ।

iii) किसी शेयर के संयुक्त धारकों के मामले में, उनके नाम और उप-विनियम (i) के तहत अपेक्षित अन्य विवरणों को ऐसे संयुक्त धारकों में से पहले वाले के नाम के अधीन समाहित किया जाएगा ।

iv) अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (डी) के प्रावधानों के तहत, भारत से बाहर रहेवाला कोई शेयर धारक भारत के ही किसी पते को बैंक में दे सकेगा और ऐसे पते को रजिस्टर में लिखा जाएगा और अधिनियम तथा इन विनियमनों के प्रयोजन हेतु यही पता उस शेयर धारक का पंजीकृत पता माना जाएगा ।

v) किसी न्यास का कोई भी नोटिस, चाहे वह स्पष्ट हो या अंतर्निहित या प्रलक्षित हो, न तो बैंक द्वारा प्राप्य नहीं होगा और न ही रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा ।

6. शेयरों और रजिस्टर पर नियंत्रण :

अधिनियम और इन विनियमों के प्रावधानों तथा समय-समय पर निदेशक मंडल द्वारा जारी निदेशों के अधीन, इस रजिस्टर को इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के प्रधान कार्यालय में रखा जाएगा एवं प्रविष्टियाँ की जाएँगी और निदेशक मंडल के नियंत्रणाधीन रहेगा और किसी शेयर के मामले में किसी भी व्यक्ति को शेयर धारक के रूप में पंजीकृत किया जाए या नहीं, इस संबंध में निदेशक मंडल का निर्णय ही अंतिम होगा ।

7. पार्टि, जिन्हें शेयरधारक के रूप में पंजीकृत नहीं किया जाना हो :

(i) इन विनियमों में दिए प्रावधानों से अन्यथा, ऐसे सभी व्यक्ति, जो संविदा हेतु सक्षम नहीं हों, शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किए जाने के हकदार नहीं हैं और इस संबंध में निदेशक मंडल का निर्णय ही अंतिम और निर्णायक होगा ।

(ii) फर्मों के मामले में, शेयरों को व्यक्तिगत भागीदारों के नामों में पंजीकृत किया जा सकेगा और वैसे कोई भी फर्म शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किए जाने की हकदार नहीं होगी ।

8. कंप्यूटर प्रणाली आदि में शेरर रजिस्टर का रख-रखाव :

(i) शेरर रजिस्टर में प्रविष्टि हेतु अपेक्षित विवरणों को अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (एफ़) के तहत तथा विनियम 5 में दिए विवरणों के साथ पढ़ा जाएगा और अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2 (जी) के तहत प्रधान कार्यालय में कंप्यूटरों में डिस्कट, फ्लॉपी, कार्टिज या अन्यथा प्रकार से (एतदन्तर्गत 'मीडिया' के रूप में संदर्भित) मैग्नेटिक / ऑप्टिकल / मैग्नेटो-ऑप्टिकल माध्यम से भंडारित तथ्यों के रूप में रखा जाएगा और इसके बैक-अप को अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक या उनके द्वारा इस काम के लिए पदनामित किसी अन्य पदाधिकारी, जो महा प्रबंधक के स्तर से कम न हो, द्वारा ऐसे स्थान पर रखा जाएगा, जिसके बारे में समय-समय पर निश्चय किया जाए ।

(ii) अधिनियम की धारा 3(बी) के साथ-साथ जमाकर्ता अधिनियम, 1996 की धारा 11 के तहत शेरर रजिस्टर में प्रविष्टि हेतु अपेक्षित विवरणों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में एतदन्तर्गत विनिर्धारित रूप में एवं उसी तरह से रखा जाएगा ।

9. कंप्यूटर प्रणाली की सुरक्षा हेतु उपाय

(i) विनियम 8 (i) में निर्धारित सूचना-प्रणाली में, जिसमें तथ्य भंडारित किये गए हों, प्रवेश किसी निर्गम के रजिस्ट्रार और / या शेरर अंतरण एजेंट सहित ऐसे व्यक्तियों तक सीमित रखा जाएगा जिन्हें इस काम के लिए अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक या किसी पदनामित पदाधिकारी द्वारा प्राधिकृत किया गया हो और 'पासवर्ड', अगर कुछ हो तो, तथा इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा नियंत्रण प्रणालियों को उक्त व्यक्तियों की अभिरक्षा में गोपनीय रखा जाएगा ।

(ii) प्राधिकृत व्यक्ति के प्रवेश को कंप्यूटर प्रणाली द्वारा 'लॉग' (log) में दर्ज किया जाएगा और ऐसे 'लॉग' अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक द्वारा इस काम के लिए पदनामित पदाधिकारियों / व्यक्तियों के पास संरक्षित किया जाएगा ।

iii) प्रबंध निदेशक या प्रतिनिधायित पदाधिकारियों द्वारा समय-समय निर्दिष्ट किये गये अनुसार समयान्तराल पर ' बैंक आप ' की प्रतियाँ रिमूवेबल मिडिआ, से लेते रहनी हैं , जिन में शेयरधारकों के रजिस्टर में हुए परिवर्तनों को शामिल कर लिया जाना है ।

इन कॉपियों में से कम से कम एक कॉपी को उस स्थान को छोड़कर जहाँ पर संसाधन कार्य किया जा रहा हो किसी अन्य स्थान में अनुरक्षित रखना है ।

इस कॉपी को, एक तालाबंदी की व्यवस्था सहित अग्नि-रोधी परिवेश में और अपेक्षित तापमान में अनुरक्षित रखना है ।

इन दोनों स्थलों में अनुरक्षित ' बैंक-आप ' तक अभिगम सिर्फ उन्हीं लोगों का होगा जो अध्यक्ष व प्रबंधक निदेशक या प्राधिकृत पदाधिकारियों द्वारा इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत किये गये हों इस तरह प्राधिकृत व्यक्ति दोनों स्थलों में रखे हुए एक मैनुअल रजिस्टर में अपने-अपने अभिगम ब्यौरा दर्ज करेंगे ।

iv) प्राधिकृत व्यक्तियों का काम यह होगा कि ' बैंक आप की ' सटीकता को सुनिश्चित कर लेने के लिए एक उपर्युक्त सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके ' बैंक आप ' में दर्ज आंकड़ों का, कंप्यूटर प्रणाली में उपलब्ध आंकड़ों से मिलान कर लिया करें । इस मिलान-कार्य का परिणाम, इस प्रयोजन हेतु अनुरक्षित रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा ।

v) अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, विशेष या साधारण आदेश के ज़रिए कंप्यूटर प्रणाली में शेयर-धारकों के रजिस्टर को अनुरक्षित करने के मामले में, तकनॉलॉजी में हुई प्रगति को और / या परिस्थिति की अनिवार्यता या किसी अन्य विचार को मद्दे नज़र रखते हुए, विनिर्धारण या अनुदेश में किसी अन्य बात को जोड़ने या परिवर्तित करने के लिए सक्षम होगा ।

10. संयुक्त धारकों के अधिकारों का प्रयोग

अगर कोई शेयर दो या उससे ज़्यादा व्यक्तियों के नाम में हो, तो उनमें से वह व्यक्ति, जिसका नाम रजिस्टर में सबसे पहले दर्ज हो वही, मतदान करने, लाभांश प्राप्त करने, नोटिस तामील करने, इण्डियन ओवरसीज़ बैंक से संबंधित शेयर-अंतरण को छोड़कर सभी या किसी मामले की कार्रवाई करने आदि के लिए एकमात्र पूर्णतः स्वामी माना जाएगा ।

11 .रजिस्टर का निरीक्षण

i) रजिस्टर, शेयर-धारकों द्वारा निरीक्षण किए जाने के लिए, विनियमन 12 के अंतर्गत बंद किए जाने की हालत को छोड़कर, निदेशक मंडल द्वारा लागू किए गये प्रतिबंधों के अधीन अनुरक्षण के स्थान पर कारोबार के समय निःशुल्क उपलब्ध रहेगा, लेकिन हर कार्य दिवस में कम-से कम दो घंटों के लिए निरीक्षण की अनुमति होगी ।

ii) कोई भी शेयर-धारक रजिस्टर में दर्ज किसी भी प्रविष्टि के सार निःशुल्क निकाल सकता है या अगर उसे रजिस्टर का या रजिस्टर के किसी अंश की नकल या कंप्यूटर कॉपी की आवश्यकता हो, तो वह हर 100 शब्द या उसके अंश के लिए रु.5/- की दर पर पहले ही शुल्क अदा किए जाने पर उसे उपलब्ध कराया जाएगा ।

iii) उपविनियमन (ii) में बताई गई बातों के होते हुए भी सरकार द्वारा विधिवत प्राधिकृत कोई भी अधिकारी रजिस्टर में दर्ज किसी भी प्रविष्टि की नकल लेने के लिए, या रजिस्टर की या उसके किसी अंश की नकल पाने के लिए हकदार है ।

12.रजिस्टर को बंद करना

बैंक, भारत में परिचालित किन्हीं दो अखबारों में सात दिनों की पूर्व-सूचना देने के बाद, शेयर धारकों के रजिस्टर को प्रत्येक वर्ष में कुल 45 दिनों से अनधिक अवधि के लिए, लेकिन किसी एक समय में 30 दिनों से अनधिक अवधि के लिए, जैसाकि बैंक आवश्यक समझता हो, बंद कर सकेगा ।

13.शेयर प्रमाण-पत्र

(i) हर शेयर प्रमाण-पत्र पर शेयर प्रमाण-पत्र की संख्या, एक विशिष्ट संख्या, शेयरों की कुल संख्या जिसके लिए वह जारी किया जाता है , और शेयर धारकों का नाम, जिसके पक्ष में वह जारी किया जाता है, आदि दर्ज होगा और प्रमाण-पत्र का प्रारूप वह होगा जो निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित किया जाये ।

ii) हर शेयर प्रमाण-पत्र, निदेशक मंडल के संकल्प के अनुसरण में बैंक की सामान्य मुहर लगाकर जारी किया जाएगा और दो निदेशकों तथा इस प्रयोजन के लिए बैंक द्वारा नियोजित किसी अन्य अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होगा ।

बशर्ते कि निदेशकों के हस्ताक्षर, मुद्रित या किसी अन्य यांत्रिक प्रविधि द्वारा, 'उत्कीर्ण या लिथोग्राफ किये छापे जाएँगे, जैसा कि निदेशक मंडल द्वारा निर्देशित किया जाएगा iii) हस्ताक्षर, जो इस तरह मुद्रित या उत्कीर्ण ;लिथोग्राफ किया या अन्यथा छापा जाएगा, उतना ही वैध होगा जितना हस्ताक्षर-कर्ता द्वारा खुद के हस्तलेख से ठीक ठीक किया गया हो

iv) कोई भी शेयर प्रमाण पत्र तब तक वैध नहीं होगा, जबतक कि वह इस तरह हस्ताक्षरित नहीं हो । इस तरह हस्ताक्षरित शेयर प्रमाण-पत्र, उस के निर्गमित किये जाने से पूर्व, उस पर बैंक की ओर से हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति के एक हस्ताक्षर करनेवाले प्राधिकृत व्यक्ति के रूप में न रह जाने के बावजूद वैध एवं बाध्यकारी बना रहेगा ।

v) यदि शेयर प्रमाण पत्र में उपर्युक्त उप धारा ii) के अनुसार हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर हो, जो बहरहाल शेयर-पत्र निर्गमित होने से पूर्व मर जाता है, तो बैंक उस ढंग से, जिसे वह उपयुक्त समझता हो, उक्त मृत व्यक्ति के हस्ताक्षर को रद्द करा सकता है और उसे किसी अन्य प्राधिकृत व्यक्ति से हस्ताक्षरित करा सकता है । इस तरह से निर्गमित किया गया शेयर-प्रमाण पत्र वैध होगा ।

14. शेयर प्रमाण-पत्र का निर्गमन

(i) किसी शेयर धारक को शेयर प्रमाण पत्र जारी करते समय निदेशक मंडल इस बात के लिए सक्षम होगा कि वह किसी एक समय में शेयर धारक के नाम पंजीकृत हर सौ शेयरों या उसके गुणजों के लिए एक शेयर प्रमाण पत्र जारी करे और उसके अतिरिक्त लेकिन सौ से कम शेयरों के लिए अलग से एक और अतिरिक्त शेयर प्रमाण-पत्र जारी करें ।

ii) अगर पंजीकृत करने के लिए शेयर एक सौ से कम हों तो सभी शेयरों के लिए एक ही शेयर-पत्र जारी किया जाएगा ।

iii) कई व्यक्तियों द्वारा संयुक्त रूप से धारित किसी शेयर या शेयरों के मामले में बैंक एक से ज्यादा संख्या में शेयर प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए बाध्य नहीं होगा और शेयर पत्र को उन संयुक्त धारकों में से किसी एक के सुपुर्द करना उक्त सभी धारकों को सुपुर्द कर दिया गया माना जाएगा ।

15. शेयर-पत्रों का नवीकरण

i. अगर कोई शेयर-पत्र जीर्ण-शीर्ण या विकृत हो जाये तो निदेशक मंडल या उसके द्वारा पदनामित समिति, उक्त शेयर-पत्र प्रस्तुत किए जाने पर उसे रद्द करने और उसके बदले में एक नया शेयर-पत्र जारी करने का निदेश दे सकती है ।

ii. अगर कोई शेयर प्रमाण-पत्र कथित रूप में गुम हो गया हो या नष्ट हो गया हो, तो निदेशक मंडल या उसके द्वारा पदनामित समिति जमानत या बगैर जमानत के क्षतिपूर्ति लेकर, जैसा कि निदेशक मंडल या ऐसी समिति उचित समझे, और दो अखबारों में विज्ञापन देकर और इंडियन ओवरसीज़ बैंक को इसकी लागत, प्रभार एवं खर्च चुकाने पर उस व्यक्ति को प्रमाण पत्र की दूसरी प्रति दे सकता है, जो गुमशुदा या नष्ट हुए शेयर-पत्र का हकदार हो ।

16. शेयरों का समेकन व विभाजन

शेयरधारक / शेयर-धारकों के लिखित आवेदन पर निदेशक मंडल या उसके द्वारा पदनामित समिति समेकन या विभाजन करने हेतु शेयरों को समेकित या विभाजित करेगा / करेगी और इस मामले में बैंक द्वारा उठायी गयी लागत, खर्चों तथा प्रभार चुकाए जाने पर उनके बदले में नया शेयर-पत्र जारी करेगा ।

17. शेयरों का अंतरण

1. बैंक के शेयरों का हर अंतरण इस से सन्नद्ध फॉर्म ' ए ' में एक अंतरण लिखत के जरिए होगा या किसी और प्रारूप के जरिए होगा जो बैंक द्वारा समय-समय पर अनुमोदित किया जाये और अंतरणकर्ता तथा अंतरिती की ओर से , संगत शेयर-पत्रों के साथ विधिवत मुद्रांकित, दिनांकित तथा निष्पादित किया जाएगा ।

ii) अंतरण लिखत शेयर प्रमाण-पत्र के साथ बैंक को उसके प्रधान कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा और शेयर रजिस्टर में अंतरिती का नाम दर्ज होने तक अंतरणकर्ता उक्त शेयर का धारक बना रहेगा ।

iii) अंतरण को रजिस्टर में दर्ज करने के अनुरोध के साथ अन्तरण लिखत बैंक को प्राप्त होने पर बैंक का निदेशक मंडल या उसके द्वारा पदनामित समिति, उक्त अंतरण लिखत को शेयर प्रमाण-पत्र के साथ पंजीयक और / या शेयर अंतरण एजेंट के पास यह सत्यापन के लिए भेजेगा कि तकनीकी अपेक्षाओं का पूर्णतः अनुपालन हुआ है। पंजीयक और / या शेयर अंतरण एजेंट अंतरण-लिखत को शेयर प्रमाण-पत्र के साथ, अगर कोई हो, अंतरिती को पुनः प्रस्तुत करने के लिए सिवाय निम्नांकित स्थितियों को छोड़कर भेज देगा :

अ). बैंक को अंतरण-लिखत पंजीकरण के लिए विधिवत मुद्रांकित एवं निष्पादित करा कर संगत शेयर प्रमाण-पत्र के साथ और निदेशक मंडल द्वारा यथावांछित अन्य सबूतों के साथ बैंक को प्रस्तुत किया गया हो, जो अंतरण करने के लिए अंतरण-कर्ता का हक दर्शाने के लिए बैंक-द्वारा अपेक्षित किया जाता है ।

आ). पंजीयक इस बात से संतुष्ट हो कि अंतरिती अंतरण-लिखत के अंतर्गत आवरित शेयरों के संदर्भ में बैंक के शेयर-धारक के रूप में पंजीकृत होने के लिए पात्र है ।

iv) निदेशक मंडल या निदेशक मंडल द्वारा पदनामित समिति द्वारा अंतरण को विनियम 19 के तहत पंजीकरण से जब तक इन्कार नहीं करता / करती तब तक, अंतरण को पंजीकृत करवाएगा / करवाएगी ।

18. अंतरण को लंबित रखने का अधिकार

निदेशक मंडल या मंडल द्वारा पदनामित समिति अंतरण को उस अवधि के दौरान पंजीकृत नहीं करेगा / करेगी जब रजिस्टर बंद रखा गया हो ।

19. निदेशक मंडल का शेयरों के अंतरण को पंजीकृत करने से इनकार करने का अधिकार

i) निदेशक मंडल निम्नांकित कारणों में से किसी एक या एक से अधिक कारणों के आधार पर अंतरिती के नाम में शेयर / शेयरों को अन्तरित करने से इनकार कर सकता है : और अन्य किसी भी आधार पर नहीं :

अ. शेयरों का अंतरण अधिनियम के प्रावधानों या उसके अंतर्गत बनाये गये विनियमों के या किसी अन्य विधि के उल्लंघन में हो या इस तरह के अंतरण को पंजीकृत करने संबंधी विधियों की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं हुआ हो ;

आ. निदेशक मंडल की राय में, शेयरों का अंतरण बैंक के हित या जन-हित के प्रतिकूल हा,

इ) शेयरों का अंतरण अदालत, ट्रिब्यूनल के आदेश पर या तत्समय प्रभावी किसी विधि के अंतर्गत किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा वर्जित किया गया हो ;

ई). कोई एकल व्यक्ति या कंपनी जो भारत के बाहर का निवासी हो या कोई कंपनी किसी ऐसी विधि के तहत निगमित है जो भारत में प्रभावी नहीं हो अथवा उक्त कंपनी की कोई शाखा जो भारत के बाहर की निवासी हो या न हो, अंतरण अनुमोदित होने पर उसके फलस्वरूप बैंक के शेयरों को धारित या अर्जित करेगी और इस तरह का कुल निवेश , संदत्त पूँजी के 20% (बीस प्रतिशत) या उससे अधिक होगा या इस तरह निर्धारित होगा जैसा कि केन्द्र सरकार द्वारा आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा निर्धारित किया जाएगा ।

परन्तु यह कि निदेशक मंडल द्वारा इस विषय के लिए पदनामित समिति उपर्युक्त उप-विनियमन (i) - (सी) में वर्णित इनकार करने के अधिकारों का प्रयोग कर सकती है ।

ii. बैंक के शेयरों का अंतरण-लिखत पंजीकरण के प्रयोजन से निदेशक मंडल के यहाँ दायर किये जाने के बाद निदेशक मंडल यह निश्चय करेगा कि उपविनियम (i) में बताए गए आधारों में से किसी एक की भी वज्रह से ऐसे पंजीकरण को अस्वीकार किया जाय या नहीं -

(क) अगर उसका मत हो कि ऐसे पंजीकरण को अस्वीकार नहीं करना चाहिए, तो वैसा पंजीकरण करना है; और

(ख) अगर उसका मत हो कि उपविनियम (i) में सूचित किसी भी आधार पर ऐसे पंजीकरण को अस्वीकार करना है तो अंतरण फॉर्म की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के अंदर-अंदर नोटिस के जरिए अंतरणकर्ता और अंतरिती को इसकी सूचना दे देनी है ।

20. मृत्यु, दिवालियापन आदि के मामले में शेयरों का प्रेषण

(i) शेयर के संबंध में किसी मृत शेयर धारक के निष्पादक या व्यवस्थापक अथवा इच्छा-पत्र या वंसीयत नामा सहित या उसके बिना ही व्यवस्था-पत्र अथवा भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के भाग X के अधीन निर्गमित उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र सहित के धारक को या किसी कानूनी प्रतिनिधित्व के धारक को या ऐसे व्यक्ति को, जिसके पक्ष में मृत एकल धारक द्वारा अपने जीवन-काल में अंतरण-लिखत निष्पादित किया हो, ऐसे शेयर पर हक रखनेवाले के रूप में इण्डियन ओवरसीज़ बैंक द्वारा मान्यता दी जाएगी ।

(ii) दो या दो से ज्यादा शेयरधारकों के नाम में पंजीकृत शेयरों के मामले में, उत्तरजीवी या उत्तरजीवियों और अंतिम उत्तरजीवी की मृत्यु पर उसके निष्पादक या व्यवस्थापक अथवा वंसीयतनामा या उसके बिना इच्छा-पत्र या व्यवस्था-पत्र के धारक अथवा शेयर में ऐसे उत्तरजीवी के हित से संबंधित अन्य कोई कानूनी प्रतिवेदन या उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र धारण करनेवाला या उस व्यक्ति को, जिसके पक्ष में ऐसे व्यक्ति या अंतिम उत्तरजीवी द्वारा शेयर के अंतरण का वैध लिखत निष्पादित किया गया हो, अपने जीवन-काल में एक मात्र ऐसा व्यक्ति होगा जिसे इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ऐसे शेयर में हक रखनेवाले के रूप में मान्यता देगा ।

(iii) इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ऐसे निष्पादकों या व्यवस्थापकों को मान्यता देने के लिए तब तक बाध्य नहीं होगा, जब तक कि उन्होंने इच्छा-पत्र या व्यवस्था-पत्र या उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र को, यथास्थिति, किसी सक्षम क्षेत्राधिकार के न्यायालय से प्राप्त नहीं किया हो ।

बहरहाल, ऐसे मामले में, जब निदेशक मंडल अपने विवेकाधिकार के अधीन इसे उचित समझता हो, मंडल के लिए यह विधिसंगत होगा कि वह क्षतिपूर्ति निबंधनों पर या अन्यथा रूप में जैसा कि वह उचित माने, इच्छा-पत्र या व्यवस्था-पत्र या उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र या ऐसे अन्य विधिक प्रतिवेदनों के प्रस्तुतीकरण से छूट दे सकता है ।

(iv) किसी शेयर धारक की मृत्यु पर शेयर के हकदार व्यक्ति और किसी शेयर-धारक की अ-शोधक्षमता, दिवालियापन या उसके परिसमापन पर किसी शेयर का हकदार बन जानेवाला व्यक्ति से प्रमाण-पत्र की प्रस्तुति पर, जो कि मंडल द्वारा माँगा जाए, निम्नलिखित का अधिकार प्राप्त कर लेगा ---

- (क) ऐसे शेयर के संबंध में शेयरधारक के रूप में पंजीकृत होने के लिए;
 (ख) ऐसे शेयर का इस तरह से अंतरण करने के लिए, जैसा कि वह व्यक्ति कर सकता था, जिससे उसे अधिकार प्राप्त हुआ हो ।

21. शेयर धारक का पंजीकरण के लिए योग्य न रह जाना :

एकल तौर पर या किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ शेयर-धारक के रूप में पंजीकृत किसी व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि किसी भी शेयर के संबंद में इस रूप में पंजीकृत होने की योग्यता न रह जाने पर वह इससे संबंधित सूचना निदेशक मंडल को दे दें ।

22. शेयरों विषयक माँग

निदेशक मंडल समय-समय पर जब भी उचित समझे शेयर धारकों से उनके द्वारा धारित शेयरों की अ-संदत्त रह गयी सभी राशि के संबंध में माँग कर सकता है, जो कि आबंटन की शर्तों के मुताबिक किसी निर्धारित समय पर देय नहीं रखी गयी हों और हर-एक शेयर-धारक निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित व्यक्ति को, उसके द्वारा नियत समय व तारीख को प्रत्येक माँग पर संबंधित रकम अदा करेगा । माँग की राशि किस्तों में दी जा सकेगी ।

23. संकल्प की तारीख से माँगें :

माँग उस समय की जा चुकी मान ली जाएगी, जब ऐसी माँग के लिए प्राधिकृत करते हुए निदेशक मंडल का संकल्प पारित किया गया हो और वह रजिस्ट्रार में दर्ज शेर - धारकों द्वारा ऐसी तारीख को या मंडल द्वारा अपने विवेकाधिकार के अधीन निर्धारितानुसार किसी अन्य तारीख को देय होगी ।

24. माँग की नोटिस :-

भुगतान का समय निर्दिष्ट करते हुए प्रत्येक माँग के लिए तीस दिवसों से ज्यादा की नोटिस दी जाएगी, परन्तु यह कि निदेशक मंडल ऐसी माँग पर भुगतान के समय से पहले शेर धारकों को लिखित रूप से नोटिस देकर उसे प्रतिसंहरित कर सकता है ।

25. माँग के भुगतान के लिए समय को बढ़ाना :-

निदेशक मंडल समय-समय पर और अपने विवेकाधिकार के अधीन किसी भी माँग के भुगतान के लिए निर्धारित समय को सभी या कुछ शेर धारकों के लिए उनके आवास से दूरी या अन्य कोई पर्याप्त कारण से बढ़ा सकता है, लेकिन कोई भी शेर धारक इस के लिए अधिकार के तौर पर हकदार नहीं होगा ।

26. संयुक्तधारक के दायित्व:-

शेर के संयुक्तधारक अपने से संबंधित सभी माँगों को अदा करने के लिए संयुक्त रूप से और पृथक-पृथक दायी होंगे ।

27. माँग के रूप में निर्धारित समय पर या किस्तों में देय रकम :-

अगर किसी शेर के निर्गमन के निबंधनों के अनुसार या अन्यथा कोई रकम किसी निर्धारित समय पर या निर्धारित समयों पर किस्तों में देय हो तो ऐसी रकम या किस्त उसी तरह देय होगी मानो कि वह निदेशक मंडल द्वारा विधिवत माँगी गई हो और माँगों के संबंध में एतदंतर्गत रखे गये सभी प्रावधान तदनुसार ऐसी रकम या किस्त के बारे में भी लागू होंगे ।

28. माँग-राशि पर या किस्त पर ब्याज कब देय है :-

अगर किसी माँग या किस्त के संबंध में देय रकम उसके भुगतान के लिए नियत तारीख को या उससे पहले अदा नहीं की जाती है तो शेर का तत्समय धारक या आबंटित, जिसके सम्बन्ध में माँग की गयी हो या जिसके द्वारा किस्त देय हो वह, समय-समय पर बोर्ड द्वारा निर्धारित दर पर ब्याज नियत तारीख सेवास्तविक भुगतान की तारीख तक के लिए अदा करेगा परन्तु यह कि मंडल अपने विवेकाधिकार के अधीन ऐसे ब्याज के भुगतान से पूर्णतः या अंशतः छूट दे सकता है ।

29. शेयर धारक द्वारा माँग-राशि का भुगतान न किया जाना.

कोई भी शेयर धारक कोई लाभांश प्राप्त करने या शेयर धारक के किसी अधिकार का प्रयोग करने के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि उसने तत्समय तक देय और उसके द्वारा धारित प्रत्येक शेयर पर देय सभी माँग-राशियों का भुगतान, अकेले या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से, ब्याज खर्चों सहित जैसे कि लगाये या प्रभारित किए गए हों, अदा नहीं कर देता ।

30. माँग या किस्त का भुगतान न करने पर नोटिस:-

अगर कोई शेयरधारक किसी भी शेयर के संबंध में या तो मूलधन के रूप में या ब्याज के रूप में, माँग-राशि, का पूर्ण या आंशिक भुगतान या किस्त का भुगतान उसके लिए निर्धारित समय के अंदर-अंदर नहीं करते हैं तो ऐसे समय के दौरान जब माँग या किस्त या उसका कोई अंश असंदत्त रहता है या जब उसके संबंध में निर्णय या डिक्ली पूर्णतः या अंशतः असंदत्त बनी रहती है तब इंडियन ओवरसीज़ बैंक ऐसे शेयरधारक को या ऐसे व्यक्ति को (अगर हो तो), जो अंतरण द्वारा शेयर का हकदार हो गया हो, नोटिस दे सकता है कि ऐसी माँग या किस्त या उसके अंश या अन्य असंदत्त रकम को उपचित ब्याज सहित और ऐसे गैर भुगतान के कारण इण्डियन ओवरसीज़ बैंक द्वारा किए गए या संदत्त सभी खर्चों (कानूनी या अन्यथा) को अदा करे ।

31. जब्ती के लिए नोटिस:-

जब्ती के लिए नोटिस में, नोटिस की तारीख से 14 दिनों के बाद एक तारीख और स्थान की सूचना दी रहेगी, जहाँ और जिस दिन ऐसी माँग-राशि या किस्त या ऐसे अंश या अन्य रकम तथा ऐसा ब्याज व खर्च, जैसा कि ऊपर बताया गया है, अदा किए जाने हैं, नोटिस में यह भी सूचित किया जाएगा कि निर्धारित समय और स्थान पर या उससे पहले भुगतान न किए जाने पर जिस शेयर के संबंध में माँग-राशि या किस्त देय हो उसे जब्त किया जा सकेगा ।

32. चूक पर जब्त किए जाने योग्य शेयर:-

अगर उक्त नोटिस की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता, तो ऐसे शेयरों को, जिनके संबंध में नोटिस दिया गया हो माँग-राशि या किस्त; ब्याज और खर्चों या उनके संबंध में देय रकम का भुगतान न किये जाने के कारण निदेशक मंडल में इस आशय के एक संकल्प द्वारा जब्त किया जा सकता है । ऐसी जब्ती में जब्त किए गए शेयरों के संबंध में घोषित सभी लाभांश भी शामिल होंगे जो जब्ती से पहले घोषित किये गये हों लेकिन वास्तविक रूप में असंदत्त हों ।

33. रजिस्टर में जब्ती की प्रविष्टि :

जब कोई शेयर विनियम 32 के अधीन जब्त किया गया हो, तब रजिस्टर में जब्ती की तारीख सहित उसकी प्रविष्टि की जाएगी ।

34. जब्त किए गए शेयर इण्डियन ओवरसीज़ बैंक की संपत्ति होंगे और उन्हें बेचा जा सकेगा :

ऐसे जब्त किए गए किसी भी शेयर को इण्डियन ओवरसीज़ बैंक की संपत्ति माना जाएगा और उसे निदेशक मंडल द्वारा तय किये गये निबंधनों पर और उसके द्वारा निर्धारित तरीके से किसी भी व्यक्ति को बेचा, पुनःआबंटित या अन्यथा निपटाया जा सकेगा ।

35. जब्ती को रद्द करने का अधिकार:

विनियम 32 के अधीन जब्त किए गए किसी शेयर को बेचने, पुनःआबंटित करने या अन्यथा रूप में निपटाने से पहले बोर्ड किसी भी समय किन्हीं भी शर्तों पर, जिन्हें वह उचित समझे, जब्ती को रद्द कर सकेगा ।

36. जब्ती के समय देय रकम और ब्याज अदा करने के लिए दायी शेयर धारक:

कोई भी शेयर धारक, जिसके शेयर जब्त किए गए हों, जब्ती के बावजूद, इण्डियन ओवरसीज़ बैंक को अब और भविष्य में माँग राशि, किस्त, खर्च तथा अन्य रकम, निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित दर पर जब्ती की तारीख से भुगतान की तारीख तक ब्याज सहित अदा करने के लिए दायी होगा और निदेशक मंडल उसको पूर्णतः या अंशतः भुगतान बाध्यकारी बना सकता है ।

37. आंशिक भुगतान जब्ती को प्रतिबाधित नहीं कर सकता :

न तो कोई न्याय-निर्णय न इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के पक्षों में किन्हीं शेयरों के संबंध में देय माँगों या अन्य देय रकमों के लिए डिक्री, न उसके अधीन कोई भुगतान या तोष, न इण्डियन ओवरसीज़ बैंक को समय-समय पर किसी शेयर के संबंध में मूल धन के रूप में या ब्याज के रूप में शेयरधारक से देय किसी भी रकम के अंश की प्राप्ति, न किसी रकम के भुगतान के संबंध में इण्डियन ओवरसीज़ बैंक द्वारा प्रदत्त अनुग्रह ही इन विनियमों के अधीन ऐसे शेयरों की जब्ती को प्रतिबाधित करेगा ।

38. शेयर की जब्ती से बैंक के प्रति सभी दावे समाप्त :

शेयर की जब्ती से, जब्ती के साथ ही शेयर के संबंध में बैंक के प्रति सभी हित और दावे तथा माँग एवं शेयर में प्रासंगिक अन्य सभी अधिकार समाप्त हो जाएँगे, सिवाय उन अधिकारों के जिनके लिए इन लिखतों में स्पष्टतः बाज़दावा किया जाये ।

39.जब्ती पर बिक्री, पुनःनिर्गमन, पुनःआबंटन या निपटान पर मूल शेयर अकृत एवं शून्य :

पूर्ववर्ती विनियमों के प्रावधानों के अधीन किसी भी बिक्री, पुनःनिर्गमन पुनराबंटन या अन्य निपटान पर संबंधित शेयरों के बारे में मूलतः जारी किये गये शेयर (सिवाय उस स्थिति में जबकि उन्हें बैंक की माँग पर चूककर्ता सदस्य द्वारा पहले ही अभ्यर्पित कर दिया गया हो) रद्द हो जाएँगे और अकृत व शून्य हों जाएँगे । निदेशक मंडल को कथित शेयरों के संबंध में नया/नए प्रमाण पत्र, उनके लिए पात्र व्यक्ति /व्यक्तियों को जारी करने का अधिकार होगा ।

40.जब्ती प्रावधानों को लागू करना :

जब्ती संबंधी इन विनियमों के प्रावधान किसी ऐसी रकम के गैर-भुगतान के मामले में लागू होंगे, जो शेयर के निर्गम संबंधी निबंधनों के अनुसार नियत समय पर देय होगी, चाहे वह शेयरों के अंकित मूल्य के रूप में हो या प्रीमियम के रूप में हो और जिसका भुगतान विधिवत की गई माँग के कारण किया जाना हो ।

41.शेयरों पर ग्रहणाधिकार:

1.बैंक को निम्नलिखित पर प्रथम और संपूर्ण ग्रहणाधिकार होगा -

क.प्रत्येक शेयर पर (जो पूर्णतः संदत्त शेयर नहीं हो), सभी माँगी गयी (चाहे वर्तमान में देय हों या नहीं) या उस शेयर के संबंध में निर्धारित समय पर देय रकमों पर ;

ख. किसी एकल व्यक्ति के नाम में पंजीकृत सभी शेयरों पर (पूर्णतः : संदत्त शेयर नहीं हों) वर्तमान में किसी शेयर-धारक द्वारा या उसकी संपदा द्वारा बैंक को देय सभी रकमों के लिए ;

ग. प्रत्येक व्यक्ति के नाम में पंजीकृत सभी शेयरों पर (चाहे एकल रूप में हो या अन्यो के साथ संयुक्त रूप में हो) और बैंक को या उसके साथ किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप में या एकल रूप में अपने ऋणों, देयताओं और वादों के लिए बिक्री धनागम पर, चाहे उसके भुगतान,संपादन या निर्मोचन की अवधि वास्तविक रूप में आ चुकी हो या नहीं , और बैंक द्वारा अपने ग्रहणाधिकार के अन्तर्गत किसी भी शेयर में किसी साम्यिक स्वत्व को मान्यता नहीं दी जाएगी ।

किन्तु यह कि निदेशक-मंडल किसी भी समय किसी भी शेयर को इस खण्ड के प्रावधानों से पूर्णतः या आंशिक रूप में छूट देने की घोषणा कर सकता है ।

ii) किसी शेयर पर बैंक का ग्रहणाधिकार, यदि कोई हो तो, उस शेयर पर देय लाभांशों पर भी लागू होगा ।

42. शेयरों की बिक्री द्वारा ग्रहणाधिकार का प्रवर्तन करना :

i) निदेशक मंडल जैसा उचित समझे, बैंक उस तरह से उन शेयरों को बेच सकता है जिनपर कंपनी का ग्रहणाधिकार हो :

क. यदि कोई रकम, जिस के सम्बन्ध में ग्रहणाधिकार हो, उस समय देय बनी हुई हो ; और

ख. यदि शेयर के पंजीकृत धारक या ऐसा व्यक्ति, जो उसका अधिकार रखता है, कि मृत्यु हो जाती है या वह दिवालिया हो जाता है तो जिस रकम के संबंध में विद्यमान ग्रहणाधिकार यदि उस समय देय हो तो उसके भुगतान की माँग करते हुए और लिखित रूप में उसका उल्लेख करते हुए भेजी गयी नोटिस के बाद 14 दिनों की अवधि समाप्त हो जाने पर ।

ii) इस तरह की बिक्री को कार्यान्वित करने के लिए निदेशक मंडल खरीददार को बेचे गये शेयरों का अंतरण कर देने के लिए किसी अधिकारी को प्राधिकृत कर सकता है ।

43. शेयरों की बिक्री धनागम का अनुप्रयोजन :

विनियम 42 के अधीन इस प्रकार की बिक्री पर लागत की कटौती के बाद शेयरों की किसी भी बिक्री से प्राप्त निवल धनागम का अनुप्रयोजन उस समय देयों और ऋण या देयता के लिए मौजूदा ग्रहणाधिकार को समायोजित करने के लिए किया जायेगा और शेष को, यदि कोई हो तो, शेयर धारकों को या ऐसे व्यक्ति को, जो बेचे गये शेयरों के अंतरण के कारण इसका अधिकार रखता है, अदा कर दिया जायेगा ।

44.जब्ती का प्रमाण-पत्र :- इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के किसी निदेशक या इस प्रयोजन के प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा लिखित रूप में यह प्रमाण-पत्र कि शेयर-राशि की माँग की गयी थी और शेयर की जब्ती के लिए निदेशक मंडल द्वारा प्रस्ताव पारित-किया गया था , ऐसे शेयरों में अधिकार रखनेवाले सभी व्यक्तियों के विरुद्ध उस में वर्णित तथ्य का अंतिम सबूत होगा ।

45.जब्त शेयरों के ,खरीददार और आबंटिती का अधिकार :

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक किसी शेयर की बिक्री, पुनराबंटन या अन्य निपटारे के लिए दिये गये प्रतिफल को , यदि कोई हो तो, प्राप्त कर सकेगा और जिस व्यक्ति को यह शेयर बेचा गया या पुनराबंटित किया गया या अन्य तरह से निपटारा गया हो, उसे शेयर के धारक के रूप में पंजीकृत किया जायेगा और वह प्रतिफल के अनुप्रयोजन की , यदि कोई हो, देख-रेख करने के लिए बाध्य नहीं होगा और न शेयरों की जब्ती, बिक्री, पुनराबंटन या अन्य निपटारे से संबंधित कार्यवाही में किसी अनियमितता या अवैधता के कारण शेयर पर उसका अधिकार ही प्रभावित होगा और बिक्री द्वारा प्रभावित व्यक्ति केवल नुकसान के लिए ही राहत का पात्र होगा और वह भी परम रूप से इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के विरुद्ध ही निदान पाने का हकदार होगा ।

46.शेयर धारकों के लिए नोटिस या दस्तावेज तामील करना

(i).बैंक किसी भी शेयर धारक को नोटिस या दस्तावेज या तो व्यक्तिगत रूप से या शेयर धारक के पंजीकृत पते पर साधारण डाक द्वारा भेजकर अथवा यदि शेयर धारक का भारत में अपना पंजीकृत पता नहीं हो तो भारत में ही उसके ऐसे पते पर, जो उसने नोटिस की तामील के लिए बैंक को दिया हो, भेज दिया जाएगा ।

(ii).जहाँ कोई दस्तावेज या नोटिस डाक द्वारा भेजा जाता है, वहाँ इस तरह के दस्तावेज या नोटिस के भेजे जाने की तामील एक पत्र के साथ नोटिस या दस्तावेज ठीक-ठीक पता लिख कर, पूर्व-भुगतान कर और उसे डाक में डाल देने के रूप में कर दी गयी मान लिया जाएगा ।

बशर्ते कि जहाँ शेयर धारक ने बैंक को पहले ही सूचित कर दिया हो कि उसे दस्तावेजों का प्रेषण 'सर्टिफिकेट ऑफ़ पोस्टिंग' अथवा पावती पावना सहित या पावती सहित पंजीकृत डाक द्वारा किया जाए और इस तरह से तामील के खर्चों के लिए उसने बैंक के पास पर्याप्त रकम जमा कर दी हो, तो दस्तावेज या नोटिस की तामील तब तक की गयी नहीं माना जाएगा, जब तक कि वह शेयर-धारक द्वारा बतायी गयी पद्धति से तामील न की गयी है और किसी बैठक की नोटिस के मामले में ऐसी तामील किया जाना तब मान लिया जाएगा, जब ऐसे नोटिस वाला पत्र डाक में डाल देने के बाद 48 घंटे का समय बीत चुका हो और, अन्य किसी मामले में तब जब ऐसा पत्र डाक की सामान्य अवधि में वितरित किया गया हो।

(iii) भारतवर्ष में व्यापक रूप से परिचालित किसी समाचार-पत्र में विज्ञापित कोई नोटिस या दस्तावेज विज्ञापन प्रकाशित होने वाले दिन ही बैंक के ऐसे प्रत्येक शेयर धारक पर तामील कर दिया मान लिया जाएगा, जिसका भारत में कोई पंजीकृत पता नहीं हो और जिसने नोटिस भेजे जाने के लिये बैंक को भारत में अपना कोई पता नहीं दिया हो।

(iv) किसी शेयर के संयुक्त धारकों को बैंक द्वारा नोटिस या दस्तावेज संयुक्त धारकों में से रजिस्टर में जिसका नाम प्रथम हो उसी के नाम से तामील किया जाएगा और इस तरह से भेजा गया नोटिस संबंधित शेयरों के सभी धारकों के लिए पर्याप्त नोटिस होगा।

(v) शेयर पर अधिकार रखनेवाले व्यक्तियों को किसी शेयर धारक की मृत्यु हो जाने पर या उसके दिवालिया हो जाने पर बैंक द्वारा नोटिस या उन के नाम से या मृतक के प्रतिनिधियों के नाम से या दिवालिया व्यक्ति के अध्येषितियों के नाम से या इसी तरह के किसी विवरण से ऐसे अधिकार का दावा करनेवाले व्यक्तियों द्वारा भारत में दिये गये पते पर, यदि कोई हो तो, एक पूरे प्रदत्त पत्र के माध्यम से डाक के जरिए भेज कर अथवा इस तरह से पता ठिकाना दिये जाने तक दस्तावेज की तामिल उस अन्य किसी भी रूप में करके जिस अन्य रूप में यह तब तामिल की गयी होती जब मृत्यु या दिवालियापन की घटना न घटी होती।

(vi) इण्डियन ओवरसीज़ बैंक द्वारा दिये जानेवाले किसी भी नोटिस में हस्ताक्षर या तो लिखित होंगे या मुद्रित।

अध्याय III

‘डिपॉज़िटरी’ में रखी बैंक की प्रतिभूतियाँ

47. बैंक और ‘डिपॉज़िटरी’ (निक्षेप-गृह) के बीच समझौता:

बैंक अपने द्वारा निर्गमित प्रतिभूतियों के सम्बन्ध में सेवाएँ प्राप्त करने के लिए एक या अधिक ‘डिपॉज़िटरी’ (निक्षेप-गृह) के साथ समझौता कर सकता है।

48. ‘डिपॉज़िटरी’ और प्रतिभागी के बीच करार :

(i) कोई भी प्रतिभागी ‘डिपॉज़िटरी’ के साथ, उसके अभिकर्ता (एजेंट) के रूप में कार्य करने के लिये, करार कर सकता है। वह ‘डिपॉज़िटरी’, जिसके साथ करार होगा, उनमें से होगा, जिससे बैंक ने विनियम 47 के अधीन उसकी सेवाएँ प्राप्त करने का अनुबन्ध किया हो।

(ii) बैंक द्वारा निर्गमित प्रतिभूतियों के सम्बन्ध में सेवाएँ प्राप्त करने के लिये बैंक का कोई भी शेयर-धारक प्रतिभागी के माध्यम से ‘डिपॉज़िटरी’ के साथ निर्धारित प्रपत्र में करार कर सकता है।

49. प्रतिभूति प्रमाण-पत्र की सुपुर्दगी:

(i) बैंक का कोई भी शेयर धारक या प्रतिभूति-धारक, जिसने उक्त विनियम 48 के अधीन करार किया हो, जिस प्रतिभूति के लिये बैंक के ‘डिपॉज़िटरी’ की सेवाएँ प्राप्त करना चाहता हो, वह उस प्रतिभूति का प्रमाण-पत्र समर्पित कर देगा।

(ii) उक्त उप-विनियम (i) के अधीन प्रतिभूति का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के बाद बैंक उस प्रमाण-पत्र को निरस्त करके उसके एवज में ‘डिपॉज़िटरी’ का नाम पंजीकृत स्वामी के रूप में दर्ज कर लेगा और डिपॉज़िटरी को तदनुसार सूचित कर देगा।

(iii) ‘उक्त उप-विनियम (ii) के अधीन सूचना प्राप्त होने पर डिपॉज़िटरी उक्त उप-विनियम (i) में सन्दर्भित व्यक्ति का नाम लाभ भोगी स्वामी के रूप में अपने अभिलेख (रिकार्ड) में दर्ज कर लेगा।

50. डिपॉजिटरी के यहाँ प्रतिभूतियों के अंतरण का पंजीकरण :

बैंक से अंतरण करने के लिये सूचना मिलने पर प्रत्येक डिपॉजिटरी प्रतिभूतियों का अंतरण अंतरणकर्ता के नाम से पंजीकृत कर लेगा ।

51. प्रतिभूति प्रमाण-पत्र को प्राप्त करने अथवा डिपॉजिटरी के यहाँ प्रतिभूति धारित रखने का विकल्प:-

- i) प्रत्येक व्यक्ति, जो बैंक द्वारा प्रस्तुत प्रतिभूतियों में अंशदान देता है उसके पास यह विकल्प होगा कि वह या तो प्रतिभूति प्रमाण-पत्र प्राप्त करे अथवा प्रतिभूति को डिपॉजिटरी के यहाँ धारित रखे ।
- ii) यदि व्यक्ति प्रतिभूति को डिपॉजिटरी के यहाँ धारित करने का विकल्प देता है तो बैंक प्रतिभूतियों के आबंटन के विवरण से उस डिपॉजिटरी को अवगत कराएगा और ऐसी सूचना प्राप्त होने पर डिपॉजिटरी, उस प्रतिभूति के लाभग्राही स्वामी के रूप में आबंटिती का नाम अपने रजिस्टर में दर्ज करेगा ।

52. डिपॉजिटरी के पास समरूप प्रतिभूतियाँ होने पर :-

डिपॉजिटरी द्वारा धारित सभी प्रतिभूतियों का अमूर्तिकरण किया जायेगा और ये समरूप (fungible) होंगी ।

53. लाभग्राही स्वामी के अधिकार :-

लाभग्राही स्वामी सभी अधिकारों तथा लाभों हेतु हकदार होगा और डिपॉजिटरी द्वारा धारित उसकी प्रतिभूतियों से संबंधित सभी देयताओं के लिए दायी होगा ।

54. लाभग्राही स्वामी का रजिस्टर :-

- i) प्रत्येक डिपॉजिटरी एक रजिस्टर बनायेगा और लाभग्राही स्वामियों की अनुक्रम-सूची को डिपॉजिटरी द्वारा धारित बैंक की प्रतिभूतियों के मामले में डिपॉजिटरी अधिनियम-1996 अथवा 'सेबी' द्वारा निर्धारित फॉर्म में बनाए रखेगा ।
- ii) डिपॉजिटरी, बैंक द्वारा निर्धारित अन्तराल पर अपने द्वारा बना कर रखे गये रजिस्टर तथा अनुक्रम-सूची की एक अद्यतन प्रति बैंक को उपलब्ध करता रहेगा ।

55. किन्हीं भी प्रतिभूतियों के मामले में बाहर हो जाने का विकल्प :

- i) यदि लाभग्राही स्वामी किसी भी प्रतिभूति को डिपॉज़िटरी से बाहर कर लेना चाहे तो वह डिपॉज़िटरी को तदनु रूप सूचित करेगा ।
- ii) डिपॉज़िटरी ऐसी सूचना के प्राप्त होने पर उक्त उप विनियम (i) के तहत अपने रिकॉर्ड में उपयुक्त प्रविष्टियाँ दर्ज करेगा और बैंक को सूचित करेगा ।
- iii) डिपॉज़िटरी से सूचना मिलने के 30 दिनों के अंदर-अंदर और ऐसी शर्तों के पूरा होने पर तथा डिपॉज़िटरी अधिनियम-1996 और अथवा, 'सेबी' प्रतिभागी विनियम-1996 में दी गयी फीज का भुगतान करने पर बैंक लाभग्राही स्वामी अथवा हस्तांतरिती को एक प्रतिभूति प्रमाण-पत्र जारी कर देगा ।

अध्याय - IV शेयरधारकों की बैठकें

56. वार्षिक सामान्य बैठक के आयोजन की नोटिस:

- i) शेयर धारकों की वार्षिक सामान्य बैठक आयोजित करने के संबंध में, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा कार्यपालक निदेशक अथवा इंडियन ओवरसीज़ बैंक के किसी भी प्राधिकृत अधिकारी द्वारा, एक नोटिस न्यूनतम 21 दिनों पूर्व और भारत भर में व्यापक प्रसारवाले कम-से-कम दो दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित की जायेगी ।
- ii) ऐसी प्रत्येक नोटिस में बैठक का समय, दिनांक और स्थान तथा बैठक के लिए निर्धारित कार्य सूची भी दी जायेगी ।
- iii) ऐसी बैठकों के लिए समय और तारीख को बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जायेगा । बैठक उस स्थान पर होगी जहाँ इंडियन ओवरसीज़ बैंक का केंद्रीय कार्यालय होगा ।

57.अ-साधारण सामान्य बैठक

i). बैंक के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में बैंक का कोई एक निदेशक, शेयर धारकों की अ-साधारण सामान्य बैठक आयोजित कर सकेगा बशर्ते कि निदेशक मंडल ने वैसा निर्देश दिया हो। अथवा वैसी बैठक को आयोजित करने से संबंधित कोई अधियाचन-पत्र केंद्र सरकार से प्राप्त हुआ हो अथवा ऐसे अन्य शेयर-धारकों द्वारा अधियाचना की गयी हो जिनके पास समस्त शेयर धारकों के कुल मताधिकार के 10% से कम मताधिकार न हो।

ii). अधियाचना में, जिसको उप-विनियम (i) में संदर्भित किया गया है, अ-साधारण सामान्य बैठक को आयोजित करने के उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिस के लिए बैठक बुलाना जरूरी समझा गया हो ; परंतु जिसमें एक अथवा अधिक अधियाचनकर्ताओं द्वारा हस्ताक्षरित फॉर्म जैसे अनेक दस्तावेज हो सकते हैं।

iii). जहाँ दो या अधिक व्यक्ति किन्हीं शेयरों को संयुक्त रूप से धारण करते हों, वहाँ बैठक हेतु की गयी अधियाचना अथवा नोटिस, जिसे एक या उनमें से कुछ के द्वारा हस्ताक्षरित किया गया हो इन विनियमों के प्रयोजन से उसका उतना ही प्रभाव और महत्व होगा जितना कि उन सभी के द्वारा हस्ताक्षरित किये जाने पर होता।

iv). इस अ-साधारण सामान्य बैठक का समय, तिथि एवं स्थान निदेशक मण्डल के द्वारा निर्धारित किये जायेंगे। परन्तु यह कि यह बैठक केंद्र सरकार या अन्य शेयर धारकों द्वारा की गयी अधियाचना पर अधियाचन-पत्र की प्राप्ति से 45 दिनों के अंदर-अंदर की जाएगी।

v). यदि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक, यथा-स्थिति, उप-विनियम (iv) दिए गए प्रावधानों के तहत निर्धारित समयावधि के अन्दर-अन्दर यह बैठक उपविनियम (i) की अपेक्षाओं के अनुरूप आयोजित नहीं करता है तो यह बैठक अधियाचनकर्ताओं द्वारा मांग की तारीख से तीन महीनों के अंदर-अंदर स्वयं आयोजित की जा सकेगी।

- (iii) परंतु यह कि इस विनियम में कोई भी बात उपर्युक्त 3 महीनों की अवधि समाप्त होने से पहले विधिवत आहूत की गई किसी बैठक को उक्त अवधि के बीत जाने के बाद किसी अन्य दिन के लिए स्थगित कर देने से रोक देनेवाली समझी जाएगी ।
- (iv) अध्याचन-कर्ताओं के द्वारा उप विनियम (v) के तहत यह बैठक यथा-सम्भव ठीक उसी ढंग से बुलायी जायेगी, जिस प्रकार से अन्य सामान्य बैठकें निदेशक मंडल द्वारा बुलायी जाती हैं ।

58. सामान्य बैठक का कोरम :-

- (i) शेयर धारकों की होनेवाली किसी भी बैठक में जब तक मताधिकार रखनेवाले कम-से-कम 5 शेयर धारक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न हों तब तक बैठक का कोरम पूरा नहीं होगा और उस में कोई विचार-विमर्श नहीं किया जा सकेगा ।
- (ii) केंद्र सरकार के अलावा शेयर धारकों की अध्याचना पर बुलायी गयी बैठक के मामले में यदि बैठक के निर्धारित समय के आधे घंटे के अंदर-अंदर कोरम उपस्थित नहीं होता तो वह बैठक रद्द समझी जायेगी ।
- (iii) अन्य किसी मामले में यदि बैठक के आयोजन के लिए नियत समय के बाद आधे घंटे के अंदर-अंदर कोरम उपस्थित नहीं होता तब बैठक को अगले हफ्ते उसी दिन उसी समय और उसी स्थान पर करने के लिए स्थगित कर दिया जायेगा अथवा अध्यक्ष के निर्णय पर किसी अन्य दिन, अन्य समय और स्थान के लिए स्थगित कर दिया जायेगा । यदि स्थगित की गयी बैठक में भी कोरम, बैठक आयोजित करने के नियत समय के बाद आधे घंटे के अंदर-अंदर उपस्थित नहीं होता तब शेयर धारक जो व्यक्तिगत रूप में अथवा प्रॉक्सी के रूप में इस स्थगित हुई बैठक में विधिवत रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित होते हैं, तो उन्हें ही कोरम समझा जायेगा और वे वह सब विचार-विमर्श कर सकेंगे जिस के लिए बैठक आहूत की गयी थी ।

बुलायी गयी बैठक में वे निर्णय लेने में सक्षम माने जायेंगे ।

परंतु यह कि अधिनियम की धारा 10 ए (1) की शर्तों के अधीन कोई भी वार्षिक सामान्य बैठक उस तारीख के बाद तक के लिए स्थगित नहीं की जा सकेगी, जिस तारीख तक इस वार्षिक बैठक को किया जाना हो और यदि स्थगित की गयी इस बैठक का प्रभाव आगामी हफ्ते के उसी दिन होनेवाली बैठक में परिलक्षित होता है वार्षिक सामान्य बैठक स्थगित नहीं होगी परंतु यदि कोरम उपस्थित है तब बैठक के नियत समय से एक घंटे के अंदर-अंदर निर्णय लिये जा सकेंगे अथवा उस समय एक घण्टा समाप्त होने के तुरंत बाद और वे शेरधारक जो इस बैठक में व्यक्तिगत रूप में या प्रॉक्सी के रूप में अथवा विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में ऐसे समय पर उपस्थित होते हैं, वे कोरम बना सकेंगे ।

59. सामान्य बैठक में अध्यक्ष :

(i). अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में ऐसा कोई एक निदेशक जिसे सामान्य तौर पर अथवा विशेषतया इस बैठक के संबंध में अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक द्वारा प्राधिकृत किया गया हो अथवा उनकी अनुपस्थिति में इनके एवज में कार्यपालक निदेशक' बैठक के अध्यक्ष होंगे और यदि अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अथवा कार्य-पालक निदेशक अथवा कोई अन्य निदेशक जिसे इस बैठक के लिए प्राधिकृत किया गया हो, उपस्थित नहीं होता है तो बैठक में किसी अन्य उपस्थित निदेशक का चुनाव अध्यक्ष के रूप में किया जा सकेगा ।

(ii) इस सामान्य बैठक का अध्यक्ष सामान्य बैठकों के लिए कार्य-विधि संचालित करेंगे और उन्हें विशेष रूप से आदेश को पारित करने का अधिकार होगा, जिसके तहत बैठक में संबोधन करनेवाले शेर-धारकों के संभाषणों की समय-सीमा को निर्धारित किया जा सकता है, और यदि उनकी राय में यदि किसी मामले पर पर्याप्त चर्चा हो चुकी है तो उसे रोका जा सकता है अथवा बैठक को स्थगित किया जा सकता है ।

60. सामान्य बैठकों में भाग लेने के लिए पात्र व्यक्ति :-

1. सभी निदेशक और इंडियन ओवरसीज़ बैंक के सभी शेर-धारक उप विनियम (ii) के प्रावधानों के अधीन सामान्य बैठक में भाग लेने के लिए पात्र होंगे ।

(ii) शेयर धारक (यदि वह केंद्र सरकार नहीं है) अथवा सामान्य बैठक में उपस्थित होनेवाले निदेशक के लिए अपनी पहचान, अपने मताधिकार को सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित विवरणों से संबंधित एक फॉर्म, जो अध्यक्ष द्वारा विनिर्दिष्ट होगा, हस्ताक्षरित करके बैंक को देंगे।

क) उनका पूरा नाम और पंजीकृत पता

ख) उनके शेयरों की विशिष्ट संख्याएँ

ग) क्या वह मतदान के लिए पात्र है, और कितने मतों के लिए, व्यक्तिगत रूप में अथवा प्रॉक्सी के रूप में अथवा विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में, पात्र है ?

61. साधारण बैठकों में मतदान :

(i) किसी भी सामान्य बैठक में रखे गये संकल्प के संबंध में जब तक कि मत डालने की माँग नहीं की जाती है, हाथ दिखाकर ही निर्णय लिया जाएगा।

(ii) इस संबंध में सिवाय इसके जितना अधिनियम में दिया गया है प्रत्येक मामला, जो सामान्य बैठक में रखा जाता है, मतों के द्वारा निर्धारित किया जायेगा।

(iii) जब तक कि उपविनियम (i) के तहत मतदान की माँग नहीं की जाती है, बैठक के अध्यक्ष द्वारा की गयी यह उद्घोषणा कि संकल्प जो हाथों को दिखाकर लिया गया है अथवा सर्वसम्मति से या विशेष बहुमत के द्वारा और कार्यवाहियों से संबंधित कार्यवृत्तों को बहियों में उस प्रभाव को दर्शाते हुए प्रविष्ट किया गया है, बिना इस सबूत के कि इस संकल्प के पक्ष में अथवा विपक्ष में कितने अथवा किस अनुपात में मत डाले गये हैं, वस्तुस्थिति के लिए अंतिम साक्ष्य माना जाएगा।

iv) किसी संकल्प के बारे में हाथ उठाकर किए गए मतदान के परिणाम की घोषणा पर या उससे पहले, बैठक का अध्यक्ष अपने प्रस्ताव से और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित इण्डियन ओवरसीज़ बैंक में शेयर-धारक या शेयर-धारक-गण या उनके प्रॉक्सी, जिनको संकल्प पर मत देने का अधिकार प्राप्त हो, जो संकल्प के मामले में कुल मताधिकार के 1/5 से कम नहीं हो, द्वारा माँग किए जाने पर मतदान के लिए आदेश दे सकता है।

- v) माँग करनेवाले व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा किसी भी समय मतदान की माँग वापस ली जा सकती है ।
- vi) स्थगन के प्रश्न पर या बैठक के अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान की माँग पर मतदान तुरंत कराया जाएगा ।
- vii) किसी अन्य प्रश्न पर मतदान की माँग पर बैठक के अध्यक्ष के निदेशानुसार मत-दान उस समय कराया जाएगा, जो माँग किए जाने के समय से अड़तालीस घंटे से ज्यादा न हो ।
- viii) मत देने के लिए किसी भी व्यक्ति की अर्हता के संबंध में और मतदान के समय भी किसी व्यक्ति की क्षमता के संबंध में कि उसके कितने मत हैं, बैठक के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा ।

62. सामान्य बैठकों के कार्यवृत्त

- i) इण्डियन ओवरसीज़ बैंक सभी कार्यवाहियों के कार्यवृत्त तैयार करेगा, जिसे इस प्रयोजन हेतु रखी बहियों में लिखा जाएगा ।
- ii) ऐसे कार्यवृत्त, यदि उससे संबंधित कार्यवाहियों के दौरान बैठक के अध्यक्ष द्वारा या उससे अगली बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित लगता हो, कार्यवाही का प्रमाण होगा ।
- iii) जब तक कि विपरीत प्रमाणित न हो तब तक जिन की कार्यवाहियों के संबंध में जो कार्यवृत्त बनाए गए हैं, उन सामान्य बैठकों को आहूत और आयोजित किया गया माना जाएगा, और यह भी माना जाएगा कि उन बैठकों में हुई सभी कार्यवाहियाँ विधिवत रूप में चलाई गई हैं ।

अध्याय -5 निदेशकों का चुनाव

63. सामान्य बैठक में चुने जानेवाले निदेशक :

- i) अधिनियम की धारा 9 की उप धारा (3) के खण्ड (i) के अधीन इण्डियन ओवरसीज़ बैंक की सामान्य बैठक में केंद्रीय सरकार को छोड़कर रजिस्टर में दर्ज शेयर धारकों द्वारा अपने ही में से निदेशक को चुना लिया जाएगा ।
- ii) जहाँ किसी सामान्य बैठक में निदेशक का चुनाव होनेवाला हो, इसकी नोटिस बैठक के आयोजन संबंधी नोटिस में ही जोड़ दी जाएगी । इस प्रकार की हर नोटिस में चुने जानेवाले निदेशकों की संख्या और रिक्तियों के विवरण, जिसके लिए चुनाव होनेवाला हो, भी दिए जाएँगे ।

64. शेयरधारकों की सूची

i) इन विनियमों के विनियम 63 के उप-विनियम (i) के अधीन निदेशक के चुनाव हेतु, रजिस्टर से उन शेयरधारकों की एक सूची तैयार की जाएगी, जिनके द्वारा निदेशक का चुनाव किया जाएगा।

ii) इस सूची में शेयर धारकों के नाम, उनके पंजीकृत पते, उनके द्वारा धारित शेयरों की संख्या और विनिर्दिष्ट संख्या, शेयरों को पंजीकृत करने की तारीख और उस बैठक के लिए निर्धारित तारीख जिसमें यह चुनाव होगा, उस बैठक में जितने मतों के लिए वे हकदार होंगे उन मतों की संख्या आदि शामिल होंगे और इस सूची की प्रतियाँ खरीदे जाने हेतु, बैठक के लिए, निर्धारित तारीख से कम-से-कम तीन सप्ताह पहले से निदेशक मंडल या प्रबंधन समिति द्वारा निर्धारित मूल्य पर, प्रधान कार्यालय से आवेदन करने पर, उपलब्ध करायी जाएँगी।

65. चुनाव के लिए उम्मीदवारों का नामांकन :

(1) निदेशक के रूप में चुनाव के लिए किसी उम्मीदवार का नामांकन तब तक वैध नहीं होगा जब तक कि

क. वह इण्डियन ओवरसीज़ बैंक में 100 शेयर रखनेवाला एक शेयर धारक न हो;

ख. उसे, नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तारीख को इस अधिनियम के अधीन या इस योजना के अधीन निदेशक बनने के लिए अयोग्य न ठहराया गया हो;

ग. उसने उसके द्वारा, चाहे अकेले या अन्यो के साथ संयुक्त रूप से धारित बैंक के शेयरों के संबंद में माँग-राशि अदा करने के लिए निश्चित अंतिम तारीख को या उस से पूर्व माँग-राशि अदा न कर दी हो।

घ. नामांकन इस अधिनियम के अधीन निदेशकों को चुनने का हक रखनेवाले कम-से-कम एक सौ शेयर धारकों या उनके द्वारा विधिवत संघटित अटॉर्नी द्वारा हस्ताक्षरित लिखित रूप में न हो, परन्तु यह कि कोई शेयर-धारक, जो एक कम्पनी हो, कथित कम्पनी के निदेशकों के संकल्प द्वारा नामांकन किया जा सकेगा और जहाँ ऐसा किया जाता है वहाँ जिस बैठक में उक्त संकल्प पारित किया गया हो, उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा संकल्प की प्रति को सही प्रति के रूप में सत्यापित कर इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के प्रधान कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा और उक्त प्रति को संबंधित कंपनी की ओर से नामांकन के रूप में माना जाएगा।

ङ. नामांकन में या उस के साथ उम्मीदवार द्वारा किसी न्यायाधीश, दण्डाधिकारी, आश्वासनों के पंजीयक या उप पंजीयक या किसी अन्य राजपत्रित अधिकारी या भारतीय रिज़र्व बैंक या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के अधिकारी के समक्ष हस्ताक्षरित एक इस आशय का घोषणा पत्र हो कि वह नामांकन स्वीकर करता है और चुनाव के लिए खड़े होने का इच्छुक है और यह कि उसे इस अधिनियम के तहत या इस योजना या इन विनियमों के तहत निदेशक बनने से अयोग्य नहीं ठहराया गया है;

ii) कोई नामांकन तब तक वैध नहीं होगा जब तक कि वह हर तरह से पूर्ण सभी संबंधित दस्तावेज सहित प्राप्त नहीं होता और वह (इण्डियन ओवरसीज़ बैंक) प्रधान कार्यालय में बैठक के लिए निश्चित तारीख से पूर्व 14 दिनों के अंदर-अंदर किसी कार्य दिवस को प्राप्त नहीं होता ।

66. नामांकनों की छानबीन :

नामांकनों की प्राप्ति की निश्चित तारीख के बाद के प्रथम कार्यदिवस को उन की छानबीन की जाएगी और यदि कोई नामांकन वैध नहीं पाया जाता है तो उसका कारण दर्ज करने के बाद उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा । यदि चुनाव द्वारा भरे जाने के लिए किसी एक खास रिक्त स्थान के लिए एक ही वैध नामांकन हो तो इस तरह से नामांकित उम्मीदवार को तुरन्त चुन लिया गया मान लिया जाएगा और उसका नाम व पता उसके इस तरह चुन लिये जाने के रूप में प्रकाशित कर दिया जाएगा । ऐसी हालत में इस प्रयोजन हेतु बुलायी गयी बैठक में कोई चुनाव नहीं होगा और यदि बैठक उपर्युक्त चुनाव के प्रयोजन से ही बुलायी गयी हो तो वह रद्द हो जाएगी ।

ii) चुनाव होने की हालत में यदि वैध नामांकन चुने जाने वाले निदेशकों की संख्या से अधिक हो तो जिस उम्मीदवार को अधिकांश मत मिलेंगे, उसे निर्वाचित माना जाएगा ।

iii) वर्तमान रिक्त स्थान भरने के लिए निर्वाचित निदेशक के लिए यह मान लिया जाएगा कि उस ने निर्वाचित होने के दिन से अपना पद-भार ग्रहण कर लिया है ।

67 . चुनाव संबंधी विवाद :

(i) निर्वाचित माने-गये या घोषित व्यक्ति की योग्यता या अयोग्यता अथवा किसी निदेशक के चुनाव की वैधता के संबंध में यदि कोई संदेह या विवाद उठता है, तो कोई इच्छुक व्यक्ति, जो ऐसे चुनाव में उम्मीदवार या मतदान का हक रखने वाला शेयर धारक हो ऐसे चुनाव के परिणाम की घोषणा की तारीख से 7 दिनों के अंदर-अंदर उसके संबंध में लिखित रूप में इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक को सूचना भेज सकता है और ऐसी सूचना में उन आधारों का पूरा ब्यौरा प्रस्तुत करेगा, जिन की वजह से उस चुनाव की वैधता पर संदेह किया हो या विवाद उठाया हो ।

(ii) उप विनियम (i) के तहत सूचना की प्राप्ति पर इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक ऐसे संदेह या विवाद को अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक और अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (बी) और (सी) के तहत नामित किन्हीं दो निदेशकों से बनी समिति को संदर्भित करेंगे ।

(iii) उप विनियम (ii) में संदर्भित समिति आवश्यकतानुसार जाँच पड़ताल करेगी और यदि वह पाती है कि चुनाव एक वैध था तो वह चुनाव के घोषित परिणाम की पुष्टि करेगी या, यदि वह पाती है कि चुनाव वैध चुनाव नहीं था, तो वह जाँच-पड़ताल शुरू करने की तारीख से 30 दिनों के अंदर-अंदर फिर से चुनाव कराने सहित ऐसा आदेश तैयार करेगी और ऐसा निर्देश देगी जो समिति को उस पारस्विकता में न्यायसंगत प्रतीत हों ।

(iv) इस विनियम के अनुसरण में ऐसी समिति के आदेश और निर्देश अंतिम होंगे ।

अध्याय VI

शेयर धारकों के मतदान - अधिकार

68 .मतदान अधिकारों का निर्णय

i) अधिनियम की धारा 3 (2ई) में निहित उपबंधों के अधीन प्रत्येक शेयर धारक, जिसका सामान्य बैठक की तारीख से पूर्व रजिस्टर बंद होने की तारीख तक शेयर-धारक के रूप में पंजीकरण हुआ हो, ऐसी बैठक में हाथ दिखा कर एक मत और मतदान होने के मामले में उसके द्वारा धारित प्रत्येक शेयर के लिए एक मत दे सकेगा ।

ii) अधिनियम की धारा 3 (2ई) में निहित उपबंधों के अधीन, प्रत्येक शेयर धारक जो कि एक कम्पनी न हो, मतदान पूर्वोक्त रूप में करने का हक रखने वाला प्रत्येक शेयर धारक व्यक्तिगत रूप से या प्रॉक्सी के जरिए उपस्थित हो या जो एक कम्पनी हो तो विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से या प्रॉक्सी के माध्यम से उपस्थित हो तो प्रत्येक शेयर धारक हाथ दिखा कर एक मत देने और मतदान होने के मामले में यहाँ ऊपर उप विनियम (i) में बताये अनुसार उसके द्वारा धारित प्रत्येक शेयर के लिए एक मत दे सकेगा ।

व्याख्या : इस अध्याय के लिए " कम्पनी" आशय कोई नैगम निकाय है ।

iii) सामान्य बैठक में भाग लेने एवं मतदान करने का हक रखनेवाले शेयर धारक उनके बदले में बैठक में भाग लेने और मतदान करने के लिए अपने प्रॉक्सी के रूप में किसी और व्यक्ति को (चाहे शेयर धारक हो या नहीं) नियुक्त करने का हक रखते हैं परंतु इस तरह नियुक्त प्रॉक्सी को बैठक में बोलने का हक नहीं होगा ।

69. विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा मतदान :

(i) ऐसा शेयर धारक, जो केन्द्र सरकार या एक कम्पनी हो, यथास्थिति, संकल्प द्वारा किसी सामान्य बैठक में प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए अपने किसी पदाधिकारी या किसी अन्य व्यक्ति को प्राधिकृत कर सकता है और इस तरह प्राधिकृत व्यक्ति को (इन विनियमों में " विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि", के रूप में संदर्भित) केन्द्र सरकार या कम्पनी, जिसका वह प्रतिनिधित्व करता हो, की तरफ से उन सभी शक्तियों का प्रयोग करने का हक होगा जैसे कि वह इण्डियन ओवरसीज़ बैंक का व्यक्तिगत शेयर-धारक हो । इस तरह दिया गया प्राधिकार बैकल्पिक रूप में दो व्यक्तियों के पक्ष में हो सकता है और ऐसे मामले में ऐसे व्यक्ति केन्द्रीय सरकार /कम्पनी के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर सकते हैं ।

ii) कोई भी व्यक्ति तब तक कम्पनी के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के शेयर धारकों की किसी भी बैठक में भाग नहीं ले सकेगा और मतदान नहीं कर सकेगा जब तक उसे विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करते हुए जिस बैठक में संकल्प पारित किया गया हो उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा संकल्प की प्रति को सही प्रति के रूप में सत्यापित कर उसे इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के प्रधान कार्यालय को बैठक के लिए निश्चित तिथि से 4 दिन पहले-पहले प्रेषित नहीं कर दिया जाता ।

70. एवज़ी (प्रॉक्सी)

एवज़ी (प्रॉक्सी) का कोई भी लिखत तब तक वैध नहीं होगा जब तक वह व्यक्तिगत शेयर धारक के मामले में उनके या लिखित रूप में विधिवत प्राधिकृत उसके अटॉर्नी द्वारा हस्ताक्षरित नहीं हो या संयुक्त धारकों के मामले में वह, पंजी में प्रथम दर्ज शेयर धारक द्वारा या लिखित रूप में विधिवत प्राधिकृत उसके अटॉर्नी द्वारा हस्ताक्षरित नहीं हो या नैगम निकाय के मामले में उसके अधिकारी या लिखित रूप में विधिवत प्राधिकृत अटॉर्नी द्वारा हस्ताक्षरित नहीं हो :

परन्तु यह कि किसी एवज़ी (प्रॉक्सी) का लिखत किसी ऐसे शेयर धारक द्वारा यथेष्ट रूप में हस्ताक्षरित होगा, जो किसी कारणवश अपना नाम नहीं लिख सकता हो, यदि उस पर उस का निशान लगा दिया जाये और वह निशान किसी न्यायाधीश, दण्डाधिकारी, आशवासनों के पंजीयक या उप पंजीयक या अन्य सरकारी राज पत्रित अधिकारी या इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के किसी अधिकारी द्वारा अधिप्रमाणित किया जाये ।

ii) कोई भी प्रॉक्सी तब तक वैध नहीं होगा जब तक कि वह विधिवत मुद्रांकित न हो और उसकी प्रति बैठक के लिए निश्चित तिथि से कम से कम चार दिन पूर्व इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के प्रधान कार्यालय में मुख्तारनामा या अन्य किसी प्राधिकार-पत्र के साथ (यदि कोई हो), जिसके तहत वह हस्ताक्षरित है या (उस मुख्तार नामा या अन्य प्राधिकार की प्रति जो नोटरी पब्लिक या दण्डाधिकारी द्वारा सही प्रति के रूप में सत्यापित हो जमा न करा दी गयी हो बशर्ते कि ऐसा मुख्तारनामा या अन्य प्राधिकार-पत्र इण्डियन ओवरसीज़ बैंक में पहले ही जमा पंजीकृत न कराया जा चुका हो ।

iii) एवज़ी (प्रॉक्सी) संबंधी कोई भी लिखत तब तक वैध नहीं होता जब तक वह फॉर्म 'बी' में न हो ।

iv) इण्डियन ओवरसीज़ बैंक में जमा कराया गया एवज़ी का लिखत अ-प्रतिसंहरणीय एवं अंतिम होगा ।

v) वैकल्पिक रूप में दो अनुमोदित व्यक्तियों के पक्ष में मंजूर एवज़ी (प्रॉक्सी) लिखत के मामले में एक से अधिक फॉर्म निष्पादित नहीं किये जाएँगे ।

vi) इस विनियम के तहत एवज़ी (प्रॉक्सी) की लिखत-मंजूर करने वाले व्यक्ति को उस बैठक में व्यक्तिगत रूप से मतदान करने का हक नहीं होगा जिस बैठक से ऐसी लिखत संबंधित हो ।

vii) जो व्यक्ति इण्डियन ओवरसीज़ बैंक का अधिकारी या कर्मचारी है उस व्यक्ति को विधिवत प्राधिकृत एवज़ी या प्रतिनिधि नियुक्त नहीं किया जाएगा ।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
फॉर्म 'ए'
शेयर अंतरण फॉर्म
(विनियम 17 का उप विनियम (i) देखें)

यहाँ नीचे वर्णित प्रतिफल के एवज में यहाँ लिखित नाम के हस्तांतरणकर्ता (गण) एतद्वारा यहाँ लिखित नाम के हस्तांतरिती (गण) को यहाँ नीचे विनिर्दिष्ट शेयर, उन शर्तों के अधीन एतद्वारा अंतरित करते हैं, जिन शर्तों पर ये शेयर अब हस्तांतरणकर्ता (गण) द्वारा धारित हैं और हस्तांतरिती (गण) एतद्वारा उपर्युक्त शर्तों के अधीन इन शेयरों को स्वीकार करे एवं धारित करने के लिए राजी होते हैं ।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का नाम:
 यदि कोई हो,
 जहाँ लेन-देन किया गया है,

इक्विटी शेयरों का विवरण

संख्या अंकों में संख्या शब्दों में प्रतिफल राशि (अंकों में) प्रतिफल राशि (शब्दों में)

विशिष्ट

से

संख्याएँ

तक

संगत

प्रमाण-पत्र सं.

हस्तांतरणकर्ता (गण) [विक्रेता (गण)] पंजी. फोलियो सं.

हस्ताक्षर

का / के विवरण

पूरा / पूरे नाम

1.....

1.

2.....

2.

3.....

3.

4.....

4.

अनुप्रमाणन हेतु निर्देश :

अनुप्रमाणन, जहाँ आवश्यक हो (अंगूठा निशान, पहचान निशानी, हस्ताक्षर में अन्तर, आदि) मजिस्ट्रेट, नोटरी पब्लिक, स्पेशल एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट अथवा उसी तरह सार्वजनिक पद धारण करने वाला कोई प्राधिकारी जो अपने कार्यालय की मोहर का प्रयोग कर सकता हो या मान्यता-प्राप्त स्टाफ एक्सचेंज का कोई सदस्य, जिसके माध्यम से शेयरों को प्रस्तुत किया गया हो अथवा हस्तांतरणकर्ता बैंक के किसी प्रबंधक द्वारा किया जाना चाहिए ।

नोट : नाम की रबड़ की मोहर की छाप अधिमानतः सीधी रेखा में लगायी जाए । मोहर की छाप कालानुक्रम में हो । इसके अतिरिक्त, यदि सुपुर्दगी समाशोधन गृह के सदस्य बैंक द्वारा की जाए तो ब्रोकर (दलाल) की निकासी संख्या का उल्लेख किया जाए ।

समाशोधन गृह
के सदस्य अथवा
सुपुर्दकर्ता ब्रोकर
का नाम
.....

दिनांक
.....

मुख्तारनामा/ वसीयत पत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र	
व्यवस्था पत्र	
कंपनी के यहाँ पंजीकृत किया गया सं दिनांक	
(ब्रोकर, बैंक, कंपनी अथवा समाशोधन गृह के स्टाक एक्सचेंज के हस्ताक्षर (आद्यक्षर नहीं)	
किसके द्वारा जमा किया गया :	
पूरा पता :	
.....	
.....	
शेयर प्रमाण-पत्र निम्नलिखित को वापस भेजें :- (उस का नाम व पता भरें जिसको प्रमाण पत्र वापस किए जाने हों) नाम व पता :	
.....	

शेयर अंतरण मुद्रांक (टिकट)

अनुप्रमाणन मैं एतद्वारा हस्तांतरणकर्ता (गण) के हस्ताक्षर को, जिन्हें यहाँ दर्ज किया गया है, अनुप्रमाणित करता हूँ हस्ताक्षर नाम पता/मोहर	साक्षी के हस्ताक्षर ----- साक्षी का नाम एवं पता ----- ----- -----पिन-----
---	--

हस्तांतरिती (गण) पूरा/पूरे नाम	क्रेता (गण) का/के विवरण	हस्ताक्षर
	1.	1.
	2.	2.
	3.	3.

व्यवसाय	पता	पिता/पति का नाम
1.		
2.		
3.		

हस्तांतरिती (गण) का मौजूदा फोलियो यदि कोई हो, नामों के उसी क्रम में लगाए गए टिकटों का मूल्य रु.

आज वर्षके माह के..... दिन

 स्थान.....

केवल कार्यालयी प्रयोग के लिए
 जाँचकर्ता के हस्ताक्षर

 मिलानकर्ता के हस्ताक्षर

 रजिस्टर में प्रविष्टि की गई
 अंतरण सं
 अनुमोदन की तिथि

फोलियो	कंपनी कोड
हस्तांतरिती(गण)	1.
का नमूना हस्ताक्षर	2.
	3.

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

फॉर्म 'बी'

प्रॉक्सी फॉर्म

(विनियम 70 का उप विनियम (iii) देखें)

फोलियो सं

(शेयरधारक द्वारा भरे जाने के लिए)

मैं/हम, निवासी जिला राज्य
 इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के शेयर धारक होने के नाते एतद्वारा
 श्री/श्रीमती निवासी जिला राज्य
, को,
 अथवा इनके न होने पर, श्री/श्रीमती निवासी जिला
 राज्य को, इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के शेयर धारकों की
 को होनेवाली बैठक और उसके बाद स्थगित अन्य किसी बैठक में मुझे/हमारे
 लिए और मेरी/हमारी ओर से वोट देने के लिए प्रॉक्सी (एवज़ी) के रूप में नियुक्त करता/करती /करते
 हूँ/ हैं ।

आज वर्ष के माह के दिन

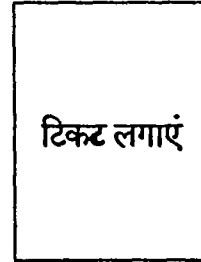
हस्ताक्षरित

नाम :

पता :

.....

.....



**INDIAN OVERSEAS BANK
(Legal Services Department)
NOTIFICATION**

Chennai. the 27th April, 2000

Indian Overseas Bank General Regulations (1999)

LSD/170/4/2000.— In exercise of the powers conferred by section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 the Board of Directors of Indian Overseas Bank, after consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely:

**CHAPTER - I
INTRODUCTORY**

1. Short title and commencement

- i. These regulations may be called Indian Overseas Bank General Regulations (1999)
- ii. These regulations shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions - In these regulations, unless there is anything repugnant to the subject or context or meaning thereof

- a. "Act" means the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970).
- b. "Bank" means Indian Overseas Bank, constituted under section 3 of the Act;
- c. "Board" means the Board of Directors constituted under section 9 of the Act;
- d. "Chairman" means the Chairman of the Board;

- e. "Committee" means a Committee as constituted by the Board;
- f. "Executive Director" means the whole time Director, not being the Managing Director;
- g. "General Manager" means General Manager of the Bank;
- h. "Management Committee" means a Committee constituted under Clause 13 of the Scheme"
- i. "Managing Director" means Managing Director of the Bank;
- j. "Register" means the register of Shareholders kept in one or more books of the Bank and includes the register of Shareholders kept in Computer floppies or diskettes under sub-section (2G) of section 3 of the Act;
- k. "Registrar" means the person appointed by the Bank for -
 - i. Collecting applications from investors in respect of an issue,
 - ii. Keeping a proper record of applications and monies received from investors or paid to the seller of the securities.
 - iii. Assisting the Bank in
 - a. Determining the basis of allotment of securities in consultation with the stock exchange,
 - b. Finalising the list of persons entitled to allotment of securities,
 - c. Processing and despatching allotment letters, refund orders or certificates and other related documents in respect of the issue, and

- iv. Such other function as assigned from time to time by the Bank,
- 1. "Scheme" means the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970;
- 2. "Share" means share in the Share Capital of the Bank;
- 3. "Share transfer agent" includes-
 - i. Any person, who on behalf of the Bank maintains the records of holders of securities issued by the Bank and deals with all matters connected with the transfer and redemption of its securities, or
 - ii. A department or division (by whatever name called) of the Bank performing the activities referred in sub-clause (i);
- 4. Words and expression used in Chapter III and not defined in these Regulations but defined in the Depositories Act, 1996 (Act 22 of 1996), shall have the meaning respectively assigned to them in the said Act.
- 5. Other expressions used and not defined in these regulations but used in the Act or the Scheme shall have the meanings respectively assigned to them in the Act or the Scheme;

CHAPTER II

SHARES AND SHARE REGISTER

3. Nature of Shares :

The shares of Indian Overseas Bank shall be movable property, transferable in the manner provided under these regulations.

4. Kinds of Share Capital :

- i. Preference Share Capital means that part of share capital of Indian Overseas Bank which fulfils both the following conditions:-
 - (A) As respects dividends, it carries a preferential right to be paid a fixed amount or an amount calculated at fixed rate, which may be either free of or subject to income tax and
 - (B) As respect capital, it carries or will carry, on winding up to repayment of capital, a preferential right to be repaid the amount of the capital paid-up or deemed to have been paid-up, whether or not there is preferential ~~right~~ to the payment of either or both of the following amounts, namely;
 - a. Any money remaining unpaid, in respect of the amounts specified in clause (A) up to the date of winding up or repayment of capital, and
 - b. Any fixed premium or premium on any fixed scale, specified by the Board with the previous consent of the Central Government.
- ii. "Equity Share Capital" means all share capital, which is not preference share capital
- iii. The expressions "Preference Share" and "Equity Share" shall be construed accordingly.

5. Particulars to be entered in the register :

- i. A share register shall be kept, maintained and updated in accordance with sub section 2(F) of section 3 of the Act.

- ii. In addition to the particulars specified in sub-section 2(F) of Section 3 of the Act, such other particulars as the Board may specify shall be entered in the register.
 - iii. In the case of joint holders of any share, their names and other particulars required by sub-regulation (i) shall be grouped under the name of the first of such joint holders.
 - iv. Subject to the proviso of sub-section 2(D) of Sec.3 of the Act, a shareholder resident outside India may furnish to the Bank an address in India, and any such address shall be entered in the register and be deemed to be his registered address for the purposes of the Act and these regulations.
 - v. No Notice of any trust, express, implied or constructive, shall be entered on the register or be receivable by the Bank.
6. Control over shares and register. Subject to the provisions of the Act and these regulations, and such directions as the Board may issue from time to time, the register shall be kept and maintained at the head office of Indian Overseas Bank and be under the control of the Board and the decision of the Board as to whether or not a person is entitled to be registered as a shareholder in respect of any share shall be final.
7. **Parties who may not be registered as shareholders :**
- i. Except as otherwise provided by these regulations, all persons who are not competent to contract shall not be entitled to be registered as a shareholder and the decision of the Board in this regard shall be conclusive and final.
 - ii. In case of firms, shares may be registered in the names of the individual partners and no firm, as such, shall be entitled to be registered as a shareholder.

8. Maintenance of Share register in Computer System, etc. :

- i. The particulars required to be entered in the share register under sub-section, 2(F) of section 3 of the Act, read with those mentioned in regulation 5, shall be maintained under sub-section 2(G) of section 3 of the Act, in the form of data stored in magnetic/optical/magneto-optical media by way of diskettes, floppies, cartridges or otherwise (hereinafter referred to as the "media") in computers to be maintained at the Head Office and the back up at such location as may be decided from time to time by the Chairman and Managing Director or any other official not below the rank of a General Manager designated in this behalf by the Chairman and Managing Director (hereinafter referred to as "the designated official").
- ii. Particulars required to be entered in the share register under Sec.3 (B) of the Act read with Section 11 of the Depositories Act, 1996 shall be maintained in the electronic form in the manner and in the form as prescribed therein.

9. Safeguards for protection of computer system :

- i. The access to the system set out in Regulation 8 (i) in which data is stored shall be restricted to such persons including Registrars to an issue and/or share transfer agents as may be authorised in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official and the passwords if any, and the electronic security control systems shall be kept confidential under the custody of the said persons.
- ii. The access by the authorised person shall be recorded in logs by the computer system and such logs shall be preserved with the officials/persons designated in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official.

- iii. Copies of the back-ups shall be taken on removable media at intervals as may be specified from time to time by the Chairman and Managing Director or the designated officials, incorporating the changes made in the register of shareholders. At least one of these copies shall be stored in a location other than the premises in which processing is being done. This copy shall be stored in a fire-proof environment with locking arrangement and at the requisite temperature. The access to the back-ups in both the locations shall be restricted to persons authorised in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official. The persons so authorised shall record the access in a manual register kept at the location.
- iv. It shall be the duty of the authorised persons to compare the data on the back-ups with that on the computer system by using appropriate software to ensure correctness of the back-up. The result of this operation shall be recorded in the register maintained for the purpose.
- v. It shall be competent for the Chairman and Managing Director, by special or general order, to add or modify the instructions, stipulations in regard to the safeguards to be observed in maintaining the register of the shareholders in the computer system with due regard to the advancement of technology, and/or in the exigencies of situation or for any other relevant consideration.

10. Exercise of rights of joint holders :

If any share stands in the names of two or more persons, the person first named in the register shall, as regards voting receipt of dividends, service of notices and all or any other matters connected with Indian Overseas Bank except the transfer of shares, be deemed to be the sole holder thereof.

11. Inspection of register :

- i. The register shall, except when closed under Regulation 12, be open to inspection of any shareholder, free of charge, at the place where it is maintained during business hours subject to such reasonable restrictions as the Board may impose, but so that not less than two hours in each working day shall be allowed for inspection.
- ii. Any shareholder may make extracts of any entry in the register free of charge or if he requires a copy or computer prints of ^{the} register or of any part thereof, the same will be supplied to him on pre-payment at the rate of Rs.5/- for every 100 words or fractional part thereof required to be copied.
- iii. Notwithstanding anything contained in sub-regulation (ii), any duly authorised officer of the Government shall have the right to make a copy of any entry in the register or be furnished a copy of the register or any part thereof.

12. Closing of the register :

The Bank may, after giving not less than seven days previous notice by advertisement in at least two newspapers circulating in India, close the register of shareholders for any period or periods not exceeding in the aggregate forty-five days in each year, but not exceeding thirty days at any one time as shall, in its opinion, be necessary.

13. Share Certificates :

- i. Each share certificate shall bear share certificate number a distinctive number, the number of shares in respect of which it is issued and the name of the share-holders to whom it is issued and it shall be in such form as may be specified by the Board.

- ii. Every share certificate shall be issued under the common seal of the Bank in pursuance of a resolution of the Board and shall be signed by two directors and some other officer appointed by the Board for the purpose.

Provided that the signature of the directors may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.

- iii. A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.
- iv. No share certificate shall be valid unless and until it is so signed. Share Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign share certificates on behalf of the Bank.
- v. Should the share certificate so prepared contain the signature of an authorised person, as stated in sub-clause (ii) above, who however is dead at the time of issue of the certificate, the Bank may, by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The share certificate so issued shall be valid.

14. Issue of share certificates :

- i. While issuing share certificates to any shareholder, it shall be competent for the Board to issue the certificates on the basis of one certificate for every hundred shares or multiples thereof registered in his name on any one occasion and one additional share certificate for the number of shares in excess thereof but which are less than hundred.

- ii. If the number of shares to be registered is less than hundred, one certificate shall be issued for all the shares.
- iii. In respect of any share or shares held jointly by several persons, the bank shall not be bound to issue more than one certificate, and delivery of a certificate for a share to one of several joint holders shall be sufficient delivery to all such holders.

15. Renewal of share certificates :

- i. If any share certificate is worn out or defaced, the Board or the Committee designated by it on production of such certificate may order the same to be cancelled and have a new certificate issued in lieu thereof.
- ii. If any share certificate is alleged to be lost or destroyed, the Board or the Committee designated by it on such indemnity with or without surety as the Board or the Committee thinks fit, and on publication in two newspapers and on payment to Indian Overseas Bank of its costs, charges and expenses, a duplicate certificate in lieu thereof may be given to the person entitled to such lost or destroyed certificate.

16. Consolidation and sub-division of shares :

On a written application made by the shareholder(s), the Board or the committee designated by it may consolidate or sub-divide the shares submitted to it for consolidation/sub-division as the case may be and issue a new certificate(s) in lieu thereof on payment to the Bank of its costs, charges and expenses of and incidental to the matter.

17. Transfer of shares :

- i. Every transfer of the shares of the Bank shall be by an instrument of transfer in form 'A' annexed hereto or in such other form as may be approved by the Bank from time to time and shall be duly stamped, dated and executed by or on behalf of the transferor and the transferee alongwith the relative share certificate.
- ii. The instrument of transfer alongwith the share certificate shall be submitted to the Bank at its Head Office and the transferor shall be deemed to remain the holder of such shares until the name of the transferee is entered in the share register in respect thereof.
- iii. Upon receipt by the Bank of an instrument of transfer alongwith a share certificate with a request to register the transfer, the Board or the committee designated by the Board shall forward the said instrument of transfer along with share certificate to the Registrar and/or Share Transfer Agents for the purposes of verification that the technical requirements are complied with in their entirety. The Registrar and/or Share Transfer Agent shall return the instrument of transfer alongwith the share certificate if any to the Transferee for resubmission unless:
 - (a) The instrument of transfer is presented to the Bank, duly stamped and properly executed for registration and is accompanied by the certificate of the shares to which it relates and such other evidence as the Board may require to show the title of the transferor to make such transfer.
 - (b) The Registrar is satisfied that the transferee is qualified to be registered as a shareholder of the Bank in respect of the shares covered by the instrument of transfer.
- iv. The Board or the Committee designated by the Board shall unless it declines to register the transfer under regulation 19 hereinafter cause the transfer to be registered.

18. Power to suspend transfers :

The Board or the committee designated by the Board shall not register any transfer during any period in which the register is closed.

19. Board's right to refuse registration of transfer of shares :

- (i) The Board may refuse transfer of any shares in the name of the transferee on any one or more of the following grounds, and on no other grounds:
- a. the transfer of shares is in contravention of the provisions of the Act or regulations made thereunder or any other law or that any other requirement under the law relating to registration of such transfer has not been complied with;
 - b. the transfer of shares, in the opinion of the Board, is prejudicial to the interests of the Bank or to public interest;
 - c. the transfer of shares is prohibited by an order of court, Tribunal or any other authority under any law for the time being in force.
 - d. an individual or company resident outside India or any company incorporated under any law not in force in India or any branch of such company whether resident outside India or not will on the transfer being allowed hold or acquire as a result thereof, shares of the Bank and such investment in the aggregate will exceed the percentage being more than 20% (twenty) of the paid up capital or as may be specified by the Central Government by notification in the Official Gazette.

Provided however, that the powers of refusal mentioned in sub-regulation (i) (c) above may be exercised by the committee designated by the Board in this behalf.

- ii. The Board shall, after the instrument of transfer of shares of the Bank is lodged with it for the purpose of registration of such transfer form its opinion as to whether such registration ought or ought not be refused on any of the grounds referred to in sub-regulation (i)-
 - a. If it has formed the opinion that such registration ought not to be so refused, effect such registration; and
 - b. If it has formed the opinion that such registration ought to be refused on any of the ground mentioned in sub-regulation (i), intimate the Transferor and the Transferee by notice in writing within 60 days from the receipt of the Transfer Form.

20. Transmission of shares in the event of death, insolvency etc:

- i. The executors or administrators of a deceased shareholder in respect of a share, or the holder of letter of probate or letters of administration with or without the will annexed or a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925, or the holder of any legal representation or a person in whose favour a valid, instrument of transfer was executed by the deceased sole holder during the latter's lifetime shall be the only person who may be recognised by Indian Overseas Bank as having any title to such share.
- ii. In the case of shares registered in the name of two or more shareholders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors or administrators or any person who is the holder of letters of probate or letters of administration with or without will annexed or a succession certificate or any other legal representation in respect of such survivor's interest in the share or a person in whose favour a valid instrument of transfer of share was executed by such person and such last survivor during the latter's lifetime, shall be the only person who may be recognised by Indian Overseas Bank as having any title to such share.

- iii. Indian Overseas Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration or succession certificate, as the case may be, from a court of competent jurisdiction.

Provided, however, that in a case where the Board in its discretion thinks fit, it shall be lawful for the Board to dispense with the production of letters of probate or letters of administration or succession certificate or such other legal representation, upon such terms as to indemnity or otherwise as it may think fit.

- iv. Any such person becoming entitled to a share in consequence of death of a shareholder and any person becoming entitled to a share in consequence of the insolvency, bankruptcy or liquidation of a shareholder shall upon production of such evidence, as the Board may require, have the right
 - a. to be registered as a shareholder in respect of such share.
 - b. to make such transfer of such share as the person from whom he derives title could have made.

21. Shareholder ceasing to be qualified for registration - It shall be the duty of any person registered as a shareholder, whether solely or jointly with another or others forthwith upon ceasing to be qualified to be so registered in respect of any share to give intimation thereof to the Board of Directors in this regard.

22. Calls on shares - The Board may, from time to time, make such calls as it thinks fit upon the shareholders in respect of all moneys remaining unpaid on the shares held by them, which are by the conditions of allotment not made payable at fixed times, and each shareholder shall pay the amount of every call so made on him to the person and at the time and place appointed by the Board. A call may be payable by instalments.

23. **Calls to date from resolution** - A call shall be deemed to have been made at the time when the resolution of the Board authorising such call was passed and may be made payable by the shareholders on the register on such date or at the discretion of the Board on such subsequent date as may be fixed by the Board.
24. **Notice of call** - A notice of not less than thirty days of every call shall be given specifying the time of payment provided that before the time for payment of such call the Board may by notice in writing to the shareholders revoke the same.
25. **Extension of time for payment of call** - The Board may, from time to time and at its discretion, extend the time fixed for the payment of any call to all or any of the shareholders having regard to distance of their residence or some other sufficient cause, but no shareholder shall be entitled to such extension as a matter of right.
26. **Liabilities of joint holder** - The joint holders of a share shall be jointly and severally liable to pay all calls in respect thereof.
27. **Amount payable at fixed time or by instalments as calls** - If by the terms of issue of any share or otherwise any amount is payable at any fixed time or by instalments at fixed times, every such amount or instalment shall be payable as if it were a call duly made by the Board and of which due notice had been given and all the provisions herein contained in respect of the calls shall relate to such amount or instalment accordingly.
28. **When interest on call or instalment payable** - If the sum payable in respect of any call or instalment is not paid on or before the day appointed for payment thereof, the holder for the time being or allottee of the share in respect of which a call shall have been made, or the instalment shall be due, shall pay interest on such sum at such rate as the Board may fix from time to time, from the day appointed for the payment thereof to the time of actual payment, but the Board may at its discretion waive payment of such interest wholly or in part.

- 29. Non-payment of calls by shareholder** - No shareholder shall be entitled to receive any dividend or to exercise any right of a shareholder until he shall have paid all calls for the time being due and payable on every share held by him, whether singly or jointly with any person, together with interest and expenses, as may be levied or charged.
- 30. Notice on non-payment of call or instalment** - If any shareholder fails to pay the whole or any part of any call or instalment or any money due in respect of any shares either by way of principal or interest on or before the day appointed for the payment of the same, Indian Overseas Bank may at any time thereafter during such time as the call or instalment or any part thereof or other moneys remain unpaid or a judgement or decree in respect thereof remains unsatisfied in whole or in part, serve a notice on such shareholder or on the person (if any) entitled to the share by transmission, requiring him to pay such call or instalment or such part thereof or other moneys as remain unpaid together with any interest that may have accrued and all expenses (legal otherwise) that may have been paid or incurred by Indian Overseas Bank by reason of such non-payment.
- 31. Notice of Forfeiture** - The notice of forfeiture shall name a day not being less than fourteen days from the date of the notice and the place or places on and at which such call or instalment or such part or other monies and such interest and expenses as aforesaid are to be paid. The notice shall also state that in the event of non-payment on or before the time and at the place appointed, the share in respect of which the call was made or instalment is payable will be liable to be forfeited.
- 32. Shares to be forfeited on default** - If the requirements of any such notice as aforesaid are not complied with, any of the shares in respect of which such notice has been given may at any time thereafter for non-payment of all calls or instalments, interest and expenses or the money due in respect thereof, be forfeited by a resolution of the Board to that effect. Such forfeiture shall include all dividends declared in respect of the forfeited shares and not actually paid before the forfeiture.

33. **Entry of forfeiture in the register** - When any share has been forfeited under regulation 32, an entry of the forfeiture with the date thereof shall be made in the register.
34. **Forfeited shares to be property of Indian Overseas Bank and may be sold** - Any share so forfeited shall be deemed to be the property of Indian Overseas Bank and may be sold, reallocated or otherwise disposed of to any person upon such terms and in such manner as the Board may decide.
35. **Power to annul forfeiture** - The Board may, at any time, before any share so forfeited under regulation 32 shall have been sold, reallocated or otherwise disposed of, annul the forfeiture thereof upon such conditions as it may think fit.
36. **Shareholder liable to pay money owing at the time of forfeiture and interest** -Any shareholder, whose shares have been forfeited shall, notwithstanding the forfeiture, be liable to pay and shall forthwith pay to Indian Overseas Bank all calls, instalments, interest, expenses and other moneys owing upon or in respect of such shares at the time of forfeiture with interest thereon from the time of forfeiture until payment at such rate as may be specified by the Board and the Board may enforce the payment of the whole or a portion thereof.
37. **Partial payment not to preclude forfeiture** - Neither a judgement nor a decree in favour of Indian Overseas Bank for calls or other monies due in respect of any shares nor any payment or satisfaction thereunder nor the receipt by Indian Overseas Bank of a portion of any money which shall be due from any shareholder from time to time in respect of any shares either by way of principal or interest nor any indulgence granted by Indian Overseas Bank in respect of payment of any money shall preclude the forfeiture of such shares under these regulations.
38. **Forfeiture of share extinguishes all claims against Bank** - The forfeiture of a share shall involve extinction, at the time of the forfeiture, of all interest in and all claims and demands against the Bank, in respect of the share and all other rights incidental to the share, except only such of those rights as by these presents expressly waived.

- 39. Original shares null and void on sale, re-issue, re-allotment or disposal on being forfeited** - Upon any sale, re-issue, re-allotment or other disposal under the provisions of the preceding regulations, the certificate(s) originally issued in respect of the relative shares shall (unless the same shall on demand by the Bank have been previously surrendered to it by the defaulting member) stand cancelled and become null & void and of no effect, the Board shall be entitled to issue a new certificate or certificates in respect of the said shares to the person or persons entitled thereto.
- 40. Application of forfeiture provisions** - The provisions of these regulations as to the forfeiture shall apply in the case of non-payment of any sum which by terms of issue of a share become payable at a fixed time, whether on account of nominal value of the shares or by way of premium as if the same had been payable by virtue of a call duly made.
- 41. Lien on shares**
- (i) The Bank shall have a first and paramount lien :
- a. on every share (not being a fully-paid share), for all moneys (whether presently payable or not) called, or payable at a fixed time, in respect of that share;
 - b. on all shares (not being fully-paid shares) standing registered in the name of a single person, for all moneys presently payable by him or his estate to the Bank.
 - c. upon all the shares registered in the name of each person (whether solely or jointly with others) and upon the proceeds of sale thereof for his debts; liabilities, and engagements, solely or jointly with any other person to or with the Bank, whether the period for the payment, fulfillment, or discharge thereof shall have actually arrived or not and no equitable interest in any share shall be recognised by the Bank over its lien.

Provided that the Board of Directors may at any time declare any share to be wholly or in part exempt from the provisions of this clause.

- (ii) The Bank's lien, if any, on a share shall extend to all dividends payable thereon.

42. Enforcing Lien by Sale of Shares :

- (i) The Bank may sell, in such manner as the Board thinks fit, any shares on which the company has a lien :

- a. if a sum in respect of which the lien exists is presently payable, and
- b. after the expiration of fourteen days after a notice in writing stating and demanding payment of such part of the amount in respect of which the lien exists as is presently payable, has been given to the registered holder for the time being of the share or the person entitled thereto by reason of his death or insolvency.

- (ii) To give effect to any such sale, the Board may authorise some officer to transfer the shares sold to the purchaser thereof.

- 43. Application of proceeds of sale of shares** - The net proceeds of any sale of shares under regulation 42 after deduction of costs of such sale, shall be applied in or towards the satisfaction of the debt or liability in respect whereof the lien exists so far as the same is presently payable and the residue, if any, be paid to the shareholders or the person, if any, entitled by transmission to the shares so sold.

- 44. Certificate of forfeiture** - A certificate in writing under the hands of any director, or any other officer of Indian Overseas Bank duly authorised in this behalf, that the call in respect of a share was made and that the forfeiture of the share was made by a resolution of the Board to that effect, shall be conclusive evidence of the fact stated therein as against all persons entitled to such shares.
- 45. Title of purchaser and allottee of forfeited share** - Indian Overseas Bank may receive the consideration, if any, given for the share on any sale, reallocation or other disposition thereof and the person to whom such share is sold, reallocated or disposed of may be registered as the holder of the share and shall not be bound to see to the application of the consideration, if any, nor shall his title to the share be affected by any irregularity or invalidity in the proceedings in reference to the forfeiture, sale, reallocation or other disposal of the share and the remedy of any person aggrieved by the sale shall be in damages only and against Indian Overseas Bank exclusively.
- 46. Service of a notice or document to shareholders**
- (i) The Bank may serve a notice or a document on any shareholder either personally, or by ordinary post at his registered address or if he has not registered address in India, at the address, if any, within India supplied by him to the Bank for giving of notice to him.
- (ii) Where a document or a notice is sent by post, the service of such document or notice shall be deemed to be effected by properly addressing, prepaying and posting a letter containing the document or notice:

Provided that where a shareholder has intimated to the Bank in advance that documents should be sent to him under a certificate of posting or by registered post, with or without acknowledgment due and has deposited with the Bank a sum sufficient to defray the expenses of doing so, service of the document or notice shall not be deemed to be effected unless it is sent in the manner intimated by the shareholder. And such service shall be deemed to have been effected in the case of a notice of a meeting at the expiration of forty eight hours after the letter containing the same is posted, and in any other case, at the time at which the letter would have been delivered in the ordinary course of post.

- (iii) A notice or a document advertised in a newspaper widely circulated in India shall be deemed to be duly served on the day on which the advertisement appears on every shareholder of the Bank who has no registered address in India and has not supplied to the Bank an address within India for giving of notice to him.
- (iv) A notice or document may be served by the Bank on the joint holder of a share by effecting service on the joint-holder named first in the register in respect of the share and notice so given shall be sufficient notice to all the holders of the said shares.
- (v) A notice or a document may be served by the Bank on the persons entitled to a share upon death or in consequence of the insolvency of a shareholder by sending it through post in a prepaid letter addressed to them by name, or by the title of representatives of the deceased, or assignees of the insolvent, or by any like description, at the address, if any, in India supplied for the purpose by the persons, claiming to be so entitled, or until such an address has been so supplied, by serving the document in any manner in which it might have been served if the death or insolvency had not occurred.
- (vi) The signature to any notice to be given by the Indian Overseas Bank may be written or printed.

CHAPTER III

SECURITIES OF THE BANK HELD IN A DEPOSITORY

47. **Agreement between a depository and the Bank** - The Bank may enter into an agreement with one or more depository to avail of its services in respect of securities issued by the Bank.
48. **Agreement between a Participant and the Depository**
- (i) Any participant may enter into an agreement with the depository to act as its agent. The depository with whom the agreement will be entered into will be one whose services the Bank has agreed to avail of under Regulation 47.
 - (ii) Any shareholder of the bank may through the participant enter into an agreement with the depository in the form specified by such depository for availing its services in respect of securities issued by the Bank.
49. **Surrender of certificate of security**
- (i) Any shareholder or holder of any security of the Bank who has entered into an agreement under regulation 48 above, shall surrender the certificate of security in respect of which he seeks to avail the service of a depository to the Bank.
 - (ii) The Bank on receipt of the certificate of security under sub-regulation (i) above, shall cancel the certificate of security and substitute in its record the name of the depository as a registered owner in respect of that security and inform the depository accordingly.
 - (iii) A depository shall, on receipt of information under sub-regulation (ii) above, enter the name of the person referred to in sub-regulation (i) above, in its records as the beneficial owner.

- 50. Registration of transfer of securities with depository** - Every depository shall on receipt of intimation to effect transfer from the Bank register the transfer of securities in the name of the transferee.
- 51. Option to receive security certificate or to hold the security held with a depository:**
- (i) Every person subscribing to securities offered by the Bank, shall have option either to receive security certificate or hold the security with the depository.
- (ii) When a person opts to hold security with the depository the Bank shall intimate such depository details of allotment of securities and on receipt of such information, the depository shall enter in its register, name of the allottee as the beneficial owner of that security.
- 52. Securities in depository to be in a fungible form** - All securities held by the depository shall be dematerialised and shall be in a fungible form.
- 53. Rights of beneficial owner-** The beneficial owner shall be entitled to all the rights and benefits and be subjected to all the liabilities in respect of his securities held by the depository.
- 54. Register of Beneficial Owner**
- (i) Every depository shall maintain a register and an index of beneficial owners in such form as may be prescribed under the Depositories Act, 1996 or by SEBI in respect of securities of the bank held by the Depository.
- (ii) The depository shall furnish to the Bank at such intervals as may be prescribed by the Bank, an updated copy of the register and index of the beneficial owners maintained by it..

55. Option to opt out in respect of any securities

- (i) If the beneficial owner seeks to opt out from the depository in respect of any security, he shall inform the depository accordingly.
- (ii) The depository shall on receipt of such intimation under sub-regulation (i) above make appropriate entries in its records and shall inform the Bank.
- (iii) The bank shall within 30 (Thirty) days of the receipt of intimation from the depository and on fulfillment of such conditions and on payment of such fees as may be specified in the SEBI Depositories & Participants Regulations 1996 and/or the Depositories Act, 1996 issue a certificate of security to the beneficial owner or the transferee as the case may be.

CHAPTER IV MEETINGS OF SHAREHOLDERS

56. Notice convening an Annual general meeting

- (i) A notice convening an annual general meeting of the shareholders signed by the Chairman and Managing Director or Executive Director or any authorised official of Indian Overseas Bank shall be published at least twenty one clear days before the meeting in not less than two daily newspapers having wide circulation in India.
- (ii) Every such notice shall state the time, date and place of such meeting, and also the business that shall be transacted at that meeting.
- (iii) The time and date of such meeting shall be as specified by the Board. The meeting shall be held at the place of head office of Indian Overseas Bank

57. Extraordinary General Meeting

- (i) The Chairman & Managing Director or in his absence the Executive Director of the Bank or in his absence any one of the Directors of the Bank may convene an Extra Ordinary General Meeting of shareholders if so directed by the Board, or on a requisition for such a meeting having been received either from the Central Government or from other shareholders holding shares, carrying, in the aggregate, not less than ten percent of the total voting rights of all the shareholders.
- (ii) The requisition referred in sub-regulation (i) shall state the purpose for which the Extra Ordinary General Meeting is required to be convened, but may consist of several documents in like form each signed by one or more of the requisitionists.
- (iii) Where two or more persons hold any shares jointly, the requisition or a notice calling a meeting, signed by one or some of them shall, for the purpose of this regulation have the same force and effect as if it had been signed by all of them.
- (iv) The time, date and place of the Extra Ordinary General Meeting shall be decided by the Board.

Provided that the Extra Ordinary General Meeting convened on the requisition by the Central Government or other shareholder shall be convened not later than 45 days of the receipt of the requisition.

- (v) If the Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director, as the case may be, does not convene a meeting as required by sub-Regulation (i), within the period stipulated in the proviso to sub-regulation (iv), the meeting may be called by the requisitionist themselves within three months from the date of the requisition.

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to prevent a meeting duly convened before the expiry of the period of three months aforesaid, from being adjourned to some day after the expiry of that period.

- (vi) A meeting called under sub-regulation (v) by the requisitionist shall be called in the same manner, as nearly as possible as that in which the other general meetings are called by the Board.

58. Quorum of general meeting

- (i) No business shall be transacted at any meeting of the shareholders unless a quorum of atleast five shareholders entitled to vote at such meeting in person are present at the commencement of such business.
- (ii) If within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, in the case of a meeting called by a requisition of shareholders other than the Central Government, the meeting shall stand dissolved.
- (iii) In any other case if within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week, at the same time and place or to such other day and such other time and place as the Chairman may determine. If at the adjourned meeting a quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such adjourned meeting shall be quorum and may transact the business for which the meeting was called :

Provided that no annual general meeting shall be adjourned to a date later than the date within which such annual general meeting shall be held in terms of section 10A(1) of the Act and if adjournment of the meeting to the same day in the following week would have this effect, the annual general meeting shall not be adjourned but the business of the meeting shall be commenced within one hour from the time appointed for the meeting if the quorum is present or immediately after the expiry of one hour from that time and those shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such time shall form the quorum.

59. Chairman at General Meeting

- (i) The Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director or in his absence such one of the directors as may be generally or in relation to a particular meeting be authorised by the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director in this behalf, shall be the chairman of the meeting and if the Chairman and Managing Director or the Executive Director or any other director authorised in this behalf is not present, the meeting may elect any other director present to be the chairman of the meeting.
- (ii) The chairman of the General meeting shall regulate the procedure at general meetings and in particular shall have power to decide the order in which the shareholders may address the meeting to fix a time limit for speeches, to apply the closure, when in his opinion, any matter has been sufficiently discussed and to adjourn the meeting.

60. Persons entitled to attend general meetings:-

- (i) All directors and all shareholders of Indian Overseas Bank shall, subject to the provisions of sub-regulation (ii), be entitled to attend a general meeting.

- (ii) A shareholder (not being the Central Government) or a Director, attending a general meeting shall for the purpose of identification and to determine his voting rights, be required to sign and deliver to the Bank a form to be specified by the chairman containing particulars relating to-
 - (a) his full name and registered address;
 - (b) the distinctive numbers of his shares;
 - (c) Whether he is entitled to vote and the number of votes to which he is entitled in person or by proxy or as a duly authorised representative.

61. Voting at general meetings

- (i) At any general meeting, a resolution put to the vote of the meeting shall, unless a poll is demanded be decided on a show of hands.
- (ii) Save as otherwise provided in the Act every matter submitted to a general meeting shall be decided by a majority of votes.
- (iii) Unless a poll is demanded under sub-regulation (i), a declaration by the Chairman of the meeting that a resolution on show of hands has or has not been carried either unanimously or by a particular majority and an entry to that effect in the books containing the minutes of the proceedings, shall be conclusive evidence of the fact, without proof of the number or proportion of the votes cast in favour of, or against, such resolution.
- (iv) Before or on the declaration of the result of the voting on any resolution on a show of hands, a poll may be ordered to be taken by the chairman of the meeting of his own motion, and shall be ordered to be taken by him on a demand made in that behalf by any

shareholder or shareholders present in person or by proxy and holding share in Indian Overseas Bank which confer a power to vote on the resolution not being less than one fifth of the total voting power in respect of the resolution.

- (v) The demand for a poll may be withdrawn at any time by the person or persons who made the demand.
- (vi) A poll demanded on a question of adjournment or election of chairman of the meeting shall be taken forthwith.
- (vii) A poll demanded on any other question shall be taken at such time not being later than forty eight hours from the time when the demand was made, as the chairman of the meeting may direct.
- (viii) The decision of the Chairman of the meeting as to the qualification of any person to vote, and also in the case of poll, as to the number of votes any person is competent to exercise shall be final.

62. Minutes of general meetings

- (i) Indian Overseas Bank shall cause the minutes of all proceedings to be maintained in the books kept for the purpose.
- (ii) Any such minutes, if purporting to be signed by the chairman of the meeting at which the proceedings were held, or by the chairman of the next succeeding meeting, shall be evidence of the proceedings.
- (iii) Until the contrary is proved every general meeting in respect of the proceedings hereof minutes have been so made shall be deemed to have been duly called and held, and all proceedings held thereat to have been duly held.

CHAPTER V ELECTION OF DIRECTORS

63. Directors to be elected at general meeting

- (i) A director under clause (i) of sub-section (3) of Section 9 of the Act shall be elected by the shareholders on the register, other than the Central Government, from amongst themselves in the general meeting of Indian Overseas Bank.
- (ii) Where an election of a director is to be held at any general meeting the notice thereof shall be included in the notice convening the meeting. Every such notice shall specify the number of directors to be elected and the particulars of vacancies in respect of which the election is to be held.

64. List of shareholders

- (i) For the purpose of election of a director under sub-regulation (i) of Regulation 63 of these regulations, a list shall be prepared of shareholders on the register by whom the director is to be elected.
- (ii) The list shall contain the names of the shareholders, their registered addresses, the number and denoting numbers of shares held by them with the dates on which the shares were registered and the number of votes to which they will be entitled on the date fixed for the meeting at which the election will take place and copies of the list shall be available for purchase at least three weeks before the date fixed for the meeting at a price to be fixed by the Board or the Management Committee, on application at the Head-Office.

65. Nomination of candidates for election

- (i) No nomination of a candidate for election as a director shall be valid unless,
- (a) he is a shareholder holding 100 shares in Indian Overseas Bank.
 - (b) he is on the last date for receipt of nomination, not disqualified to be a director under the Act or under the Scheme;
 - (c) he has paid all calls in respect of the shares of the Bank held by him, whether alone or jointly with others, on or before the last date fixed for the payment of the call;
 - (d) the nomination is in writing signed by at least one hundred shareholders entitled to elect directors under the Act or by their duly constituted attorney, provided that a nomination by a shareholder who is a company may be made by a resolution of the directors of the said company and where it is so made, a copy of the resolution certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall be despatched to the Head Office of Indian Overseas Bank and such copy shall be deemed to be a nomination on behalf of such company;
 - (e) the nomination accompanies or contains a declaration signed by the candidate before a judge, Magistrate, Registrar or Sub-registrar of Assurances or other Gazetted Office or an officer of the Reserve Bank of India or any nationalised bank, that he accepts the nomination and is willing to stand for election, and that he is not disqualified either under the Act or the Scheme or these regulations from being a director.

- (ii) No nomination shall be valid unless it is received with all the connected documents complete in all respects and received, at the Head Office of (Indian Overseas Bank) on a working day not less than fourteen days before the date fixed for the meeting.

66. Scrutiny of nominations

- (i) Nominations shall be scrutinized on the first working day following the date fixed for receipt of the nominations and in case any nomination is not found to be valid, the same shall be rejected after recording the reason therefor. If there is only one valid nomination for any particular vacancy to be filled by election, the candidate so nominated shall be deemed to be elected forthwith and his name and address shall be published as so elected. In such an event there shall not be any election at the meeting convened for the purpose and if the meeting had been called solely for the purpose of the aforesaid election, it shall stand cancelled.
- (ii) In the event of an election being held, if valid nominations are more than the number of directors to be elected, the candidate polling the majority of votes shall be deemed to have been elected.
- (iii) A director elected to fill an existing vacancy shall be deemed to have assumed office from the date following that on which he is, or is deemed to be elected.

67. Election disputes

- (i) If any doubt or dispute shall arise as to the qualification or disqualification of a person deemed, or declared to be elected, or as to the validity of the election of a director, any person interested, being a candidate or shareholder entitled to vote at such election, may, within seven days of the date of the declaration of the result of such election, give intimation in writing thereof to the Chairman and Managing Director of Indian Overseas Bank and shall in the said intimation give full particulars of the grounds upon which he doubts or disputes the validity of the election.

- (ii) On receipt of an intimation under sub-regulation (1), the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director of Indian Overseas Bank shall forthwith refer such doubt or dispute for the decision of a committee consisting of the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director and any two of the directors nominated under clauses (b) and (c) of sub-section (3) of section 9 of the Act.
- (iii) The committee referred to in sub-regulation (ii) shall make such enquiry as it deems necessary and if it finds that the election was a valid election, it shall confirm the declared result of the election or, if it finds that the election was not a valid election, it shall, within 30 days of the commencement of the enquiry, make such order and give such directions including the holding of a fresh election as shall in the circumstances appear just to the committee.
- (iv) An order and direction of such committee in pursuance of this regulation shall be conclusive.

CHAPTER VI

VOTING RIGHTS OF SHAREHOLDERS

68. Determination of voting rights

- (i) Subject to the provisions contained in section 3(2E) of the Act, each shareholder who has been registered as shareholder on the date of closure of the register prior to the date of a general meeting shall, at such meeting, have one vote on show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him.
- (ii) Subject to the provisions contained in Section 3(2E) of the Act, every shareholder entitled to vote as aforesaid who, not being a company, is present in person or by proxy or who being a company is present by a duly authorised representative, or by proxy shall have one vote on a show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him as stated hereinabove in sub-regulation (i)

Explanation - For this Chapter, "Company" means any body corporate.

- (iii) Shareholders of the Bank entitled to attend and vote at a general meeting shall be entitled to appoint another person (whether a shareholder or not) as his proxy to attend and vote instead of himself; but a proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting.

69. Voting by duly authorised representative

- (i) A shareholder, being the Central Government or a company, may by a resolution, as the case may be, authorise any of its officials or any other person to act as its representative at any general meeting of the shareholders and the person so authorised (referred to as a "duly authorised representative" in these regulations) shall be entitled to exercise the same powers on behalf of the Central Government or company which he represents, as if he were an individual shareholder of the Indian Overseas Bank. The authorisation so given may be in favour of two persons in the alternative and in such a case any one of such persons may act as the duly authorised representative of the Central Government / Company.
- (ii) No person shall attend or vote at any meeting of the shareholders of Indian Overseas Bank as the duly authorised representative of a company unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the head office of the Indian Overseas Bank not less than four days before the date fixed for the meeting.

70. Proxies

- (i) No instrument of proxy shall be valid unless, in the case of an individual shareholder, it is signed by him or by his attorney duly authorised in writing or in the case of joint holders, it is signed by the shareholder first named in the register or his attorney duly authorised in writing or in the case of the body corporate signed by its officer or an attorney duly authorised in writing:

Provided that an instrument of proxy shall be sufficiently signed by any shareholder, who is, for any reason, unable to write his name, if his mark is affixed thereto and attested by a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Government Gazetted Officer or an Officer of the Indian Overseas Bank.

- (ii) No proxy shall be valid unless it is duly stamped and a copy thereof deposited at the head office of Indian Overseas Bank not less than four days before the date fixed for the meeting, together with the power of attorney or other authority (if any) under which it is signed or a copy of that power of attorney or other authority certified as a true copy by a Notary Public or a Magistrate unless such a power of attorney or the other authority is previously deposited and registered with Indian Overseas Bank.
- (iii) No instrument of proxy shall be valid unless it is in Form "B".
- (iv) An instrument of proxy deposited with Indian Overseas Bank shall be irrevocable and final.
- (v) In the case of an instrument of proxy granted in favour of two grantees in the alternative, not more than one form shall be executed.
- (vi) The grantor of an instrument of proxy under this regulation shall not be entitled to vote in person at the meeting to which such instrument relates.
- (vii) No person shall be appointed as duly authorised representative or a proxy who is an officer or an employee of Indian Overseas Bank.

**INDIAN OVERSEAS BANK
FORM 'A'
SHARE TRANSFER FORM**
(See Sub-Regulation (i) of regulation 17)

FOR THE CONSIDERATION Stated below the "Transferor (s)" named do hereby transfer to the "Transferee (s)" named the shares specified below subject to the conditions on which the said shares are now held by the Transferor (s) and the transferee (s) do hereby agree to accept and hold the said shares subject to the conditions aforesaid.

INDIAN OVERSEAS BANK

Name of the recognised :
Stock Exchange, where
dealt in, if any,

Description of Equity Shares

No. in Figures	Number in Words	Consideration (in figures)	Consideration (in words)
Distinctive		From	
Numbers		To	

Corresponding
Certificate Nos.

Transferor(s) [Seller(s)]
Particulars

Regd. Folio No.

Signature (s)

Name(s) in full

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____

Instruction for Attestation :

Attestation, where required (thumb impressions, marks, signature difference etc.) should be done by a Magistrate, Notary Public or Special Executive Magistrate or a similar authority holding a Public Office and authorised to use the seal of his office or a member of a recognised Stock Exchange through whom the shares are introduced or a manager of the Transferor's Bank.

NOTE : Names must be rubber stamped preferably in a straightline. Chronological order should be maintained. Broker's clearing Number should be stated when delivery is given by a clearing Member Bank.

Name of delivering
broker or Clearing
member

Date

POWER OF ATTORNEY/PROBATE/DEATH CERTIFICATE	
LETTERS OF ADMINISTRATION	
Registered with the Company No. _____	Date _____
(Signature (not initials) of broker, Bank, Company or Stock Exchange Clearing House)	
LODGED BY : _____	
Full Address : _____ _____ _____	
SHARE CERTIFICATE TO BE RETURNED TO : (Fill in the name and address to which the certificates are required to be returned)	
Name & Address : _____ _____	

Share Transfer Stamp

ATTESTATION

I hereby attest the signature of the Transferor(s) herein mentioned

Signature _____

Name _____

Address/seal _____

Signature of Witness

Name and Address of Witness

Pin _____

Transferee(s) Name(s) in full	[Buyer(s)] Particulars	Signature(s)
	1. _____	1. _____
	2. _____	2. _____
	3. _____	3. _____

Occupation	Address	Father's/ Husband's Name
1. _____	_____	_____
2. _____	_____	_____
3. _____	_____	_____

Transferee(s) existing Folio if any, in same order of Names _____

Value of Stamps affixed Rs. _____

Dated this _____ day of _____ (Month) _____ (Year)

Place _____

For office use only

Checked by _____

Signatures tallied by _____

Folio	Company Code
Specimen	1. _____
Signature(s)	2. _____
of Transferee(s)	3. _____

Entered in Register of Transfer No. _____

Approval Date _____

**INDIAN OVERSEAS BANK
FORM 'B'
FORM OF PROXY
(See sub-regulation (iii) of regulation 70)**

Folio No. _____

(to be filled in by the shareholder)

I/we, resident of _____ in the district
of _____ in the State of _____

being a shareholder /shareholders of the Indian Overseas Bank hereby

appoint Shri/Smt. _____ resident of _____

in the district of _____ in the State of _____

or failing him, Shri/Smt. _____ resident of _____

_____ in the district of _____ in the

State of _____ as my/our proxy to vote for me/
us

and on my/our behalf at the meeting of the shareholders of the Indian Overseas Bank

to be held on _____ and at any adjournment thereof.

Signed this _____ day of _____ 19 _____

Name :

Address :

**Affix
Stamp**

R VENKATARAMANI, General Manager
[Advt./III/IV/Exty/292/2000]

